PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 229 ● भिलाई, शुक्रवार 20 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

शाजापुर में दर्दनाक हादसा, खेलने निकले दो बच्चों की नदी में डूबने से मौत

शाजापुर। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां नदी में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर फैल गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, अकोदिया थाना क्षेत्र के देवला बिहार गांव में कालीसिंध नदी में नहाने के दौरान दो बालक डूब गए। मृतकों की पहचान पीयूष (13), पिता किशोर और अनमोल (12), पिता बलवान के रूप में हुई है। पीयूष कक्षा 6 का छात्र था, जबकि अनमोल उसका भांजा बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों बच्चे मंगलवार शाम करीब 4 बजे घर से खेलने के लिए निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। चिंतित परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान दोनों के नदी में डूबने की जानकारी सामने आई, जिसके बाद उन्हें बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

गोलीबारी से दहला चंडीगढ़, प्रॉपर्टी डीलर पर हमलावरों ने की सरेआम फायरिंग

चंडीगढ। चंडीगढ़ के सेक्टर-9 में उस वक्त सनसनी फैल गई जब अज्ञात हमलावरों ने दिनदहाड़े एक प्रॉपर्टी डीलर पर फायरिंग कर हत्या कर दी। वारदात उस समय हुई जब युवक जिम से निकलकर अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी में बैठ रहा था। इसी दौरान बाइक पर सवार बदमाशों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमलावरों ने करीब 12 राउंड फायर किए। कई गोलियां लगने के बाद युवक ड्राइविंग सीट पर ही गिर पड़ा। घटना के तुरंत बाद उसके साथी उसे दूसरी गाड़ी में डालकर पीजीआई ले जाने के लिए रवाना हुए, लेकिन अधिक खून बह जाने के कारण रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान 31 वर्षीय चरणप्रीत सिंह के रूप में हुई है, जो मुल्लांपुर के गांव कुब्बाहेड़ी का निवासी था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, उसे पेट, छाती और बाजू में गोलियां लगीं, जिससे उसकी हालत बेहद गंभीर हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और पूरे इलाके को घेर लिया। घटनास्थल से 12 खाली कारतूस बरामद किए गए हैं।

पिता को भी छुट्टी मिलनी चाहिए, घर में बच्चे के जन्म पर पैटरनिटी लीव पर सुप्रीम कोर्ट ने कानून बनाने की कही बात

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पितृत्व अवकाश (पैटरनिटी लीव) को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार से इसे सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता देने के लिए कानून बनाने पर विचार करने को कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि बच्चे के विकास में केवल मां ही नहीं, बल्कि पिता की भूमिका भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। यह टिप्पणी जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ द्वारा एक मामले की सुनवाई के दौरान की गई।

एसआईआर पर स्थगन

सभापति ने नहीं दी चर्चा की अनुमति, विपक्ष का वाकआउट

- सलवा जुडूम के कारण दूसरे राज्यों में गए लोगों का नाम भी मतदाता सूची से उड़ा

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा में आज एसआईआर अंतर्गत छत्तीसगढ़ के 19 लाख से अधिक मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से कट जाने का आरोप लगाते हुए विपक्ष ने इस पर स्थगन लाया। विपक्ष का आरोप रहा कि सलवा जुडूम के कारण जो लोग छत्तीसगढ़ से बाहर जाकर आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में रहने लगे उनका भी नाम मतदाता सूची से उड़ गया। सभापति ने विषय भारत निर्वाचन आयोग से संबद्ध होने का हवाला देते हुए स्थगन पर चर्चा की अनुमति देने से इंकार कर दिया। विरोध में सारे कांग्रेस विधायक नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए। शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एस.आई.आर.) का कार्यक्रम पूर्ण हो जाने पर अर्हता तिथि के अनुसार वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को हुआ। अंतिम प्रकाशन के अनुसार जीवित मतदाताओं के कुल 19 लाख 13 हजार 450 नाम काट दिये गए। इससे राज्य के मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 से घटकर 1 करोड़ 87 लाख 30 हजार 914 रह गई है। इसमें 2 लाख 34 हजार 994 नये मतदाता भी शामिल हैं। मतदाताओं की संख्या में कमी होने का प्रमुख कारण उनका अन्यत्र चले जाना अथवा अनुपस्थित होना बताया जा रहा है। यह कारण कतई विश्वसनीय नहीं है।

जानबूझकर कतिपय वर्ग विशेष के मतदाताओं के नाम बड़ी संख्या में फार्म नं. 7 भरकर हटवाए या कटवाए गए हैं। बस्तर क्षेत्र मे 2005 में नक्सलवाद के खिलाफ शुरू हुए सलवा जुडूम के कारण 1 लाख से अधिक व्यक्ति राज्य के बाहर जाकर आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के तीन सौ गांवों में रहने लगे थे। इनका भी नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका। राज्य शासन अपने राज्य के मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों की संरक्षा करने के अपने कानूनी दायित्वों का पालन करने में पूरी तरह से विफल रही है। इस संबंध में विपक्ष की ओर से स्थगन प्रस्ताव दिया गया है, जिसे स्वीकार कर चर्चा कराएं। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि एसआईआर में छत्तीसगढ़ सरकार की सीधे तौर पर कोई भूमिका नहीं थी। यह भारत निर्वाचन आयोग व्दारा संचालित है। किसी भी वैधानिक संस्था पर चर्चा की अनुमति इस सदन में नहीं दी जा सकती। कांग्रेस वो पार्टी है जो लोकसभा अध्यक्ष एवं मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफभी अविश्वास प्रस्ताव ले आती है।

संगीता सिन्हा ने बालिकाओं व महिलाओं के गुम होने का मामला सदन में उठाया

रायपुर। विधानसभा में आज प्रदेश में लगातार बालिकाओं एवं महिलाओं के गुम होने की घटनाओं पर कांग्रेस विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा ने चिंता जताते हुए सवाल खड़े किए। ध्यानाकर्षण में श्रीमती संगीता सिन्हा का सवाल था कि जनवरी 2023 से 31 जनवरी 2026 तक प्रदेश में बालिकाओं एवं महिलाओं के गुम होने, अपहरण एवं बहला-फुसलाकर ले जाने की कितनी सूचनाएं थानों में प्राप्त हुई हैं? कितने प्रकरणों पर गुमशुदगी एवं अपहरण के मामले दर्ज किये गए एवं कितने में नहीं? उप मुख्यमंत्री (गृह) विजय शर्मा की ओर से जवाब आया कि प्रश्नाधीन अवधि में आई जो भी सूचनाएं आई उन पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। बालिकाओं को ढूंढने के लिए ऑपरेशन मुस्कान एवं महिलाओं हेतु ऑपरेशन तलाश चलाया जा रहा है। समस्त प्रकरणों में गुम बालिकाओं एवं महिलाओं के ईश्तहार जारी कराया गया है।

श्री राम यंत्र' की हुई स्थापना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की राम लला की आरती.....

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मॉदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना की। राष्ट्रपति ने नव संवत्सर पर रामलला के चरणों में शीश झुकाकर व आरती उतारकर श्रद्धा निवेदित की। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राष्ट्रपति के साथ रामलला की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति, राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने मॉदिर परिसर में सभी देवों के समक्ष शीश झुकाया। राष्ट्रपति ने श्रीराम मॉदिर परिसर का भ्रमण कर यहां की दीवारों पर उकेरी गईं आकृतियों का भी अवलोकन किया। राष्ट्रपति ने पूज्य संतों की

उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर श्रीराम जन्मभूमि मॉदिर के द्वितीय तल पर श्रीरामयंत्र की विधिवत प्रतिष्ठापना की। श्रीराम यंत्र दो वर्ष पूर्व जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती महाराज द्वारा शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या भेजा गया था।

कैसे बंद हो रहा है इलाज?

कोमा के 13 साल बाद इच्छा-मृत्यु की राह पर हरीश एम्स में हटा वेंटिलेटर, भावुक कर देने वाला माहौल

नई दिल्ली। गाजियाबाद के रहने वाले 32 वर्षीय हरीश राणा, जो पिछले 13 वर्षों से कोमा में एक बेजान शरीर बनकर रह गए थे, अब अपनी जीवन यात्रा के अंतिम पड़ाव पर हैं। सुप्रीम कोर्ट से इच्छामृत्यु की मंजूरी मिलने के बाद, एम्स के डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर और आईसीयू से हटाकर सामान्य वार्ड के बेड पर शिफ्ट कर दिया है। हरीश राणा की यह दुखद दास्तां साल 2013 में शुरू हुई थी। वह दिन रक्षाबंधन का था, जब चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी से बीटेक कर रहे हरीश अपने पीजी की चौथी मंजिल पर फोन पर अपनी बहन से बात कर रहे थे। अचानक संतुलन बिगड़ने से वे नीचे गिर गए और उनके सिर में ऐसी गंभीर चोटें आईं कि वे कोमा में चले गए। तब से उनके हाथ और पैर पूरी तरह निष्क्रिय हैं। परिवार ने 13 सालों तक इलाज का हर संभव रास्ता अपनाया, लेकिन जब कोई उम्मीद बाकी नहीं रही, तो उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अब एम्स के पैलिएटिव केयर वार्ड में उन्हें शिफ्ट किया गया है, जहां छह बेड की विशेष सुविधा उपलब्ध है। हरीश की इच्छामृत्यु की प्रक्रिया बेहद सावधानी और चरणों में पूरी की जा रही है।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में उनको पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी गई है और पेट में लगी फीडिंग ट्यूब पर कैप लगा दिया गया है। हालांकि, यह ट्यूब अभी शरीर से हटाई नहीं गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर उनके स्वास्थ्य की निगरानी के लिए मेडिकल बोर्ड का विस्तार भी किया गया है, जिसमें अब 5 के बजाय 10 विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल हैं। फिलहाल हरीश की स्थिति स्थिर बताई जा रही है, और डॉक्टर अभी भी उन्हें दिमाग से संबंधित जरूरी दवाइयां दे रहे हैं। डॉक्टरों की एक विशेष टीम हरीश राणा के शरीर के अंगों की स्थिति का भी लगातार परीक्षण कर रही है, ताकि अंगदान के बारे में कोई अंतिम निर्णय लिया जा सके। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान मानवीय पहलू का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। मनोचिकित्सकों की एक टीम रोजाना हरीश के माता-पिता और भाई की काउंसलिंग कर रही है, ताकि वे इस कठिन विदाई के लिए खुद को तैयार कर सकें।

अध्यक्ष पद के लिए किया नामांकन

नीतीश की पहले राज्यसभा और अब पार्टी की कमान पर नजर!

पटना/ एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष पद के लिए आज गुरुवार को नामांकन करेंगे। नीतीश कुमार की ओर से 2025-2028 कार्यकाल के अध्यक्ष पद के लिए गुरुवार शाम 4.00 बजे पार्टी के केंद्रीय कार्यालय नई दिल्ली में नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। नीतीश कुमार की ओर से पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा में संसदीय दल के नेता संजय कुमार झा, विधान परिषद सदस्य श्रवण कुमार, संजय कुमार सिंह 'गांधी' और पार्टी के अन्य नेता

नामांकन पत्र पार्टी के निर्वाचन अधिकारी अनिल प्रसाद हेगडे को सौंपेंगे। जदयू में प्रदेश स्तर तक संगठन के चुनाव पहले ही कराए जा चुके हैं। अब केवल राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया बची है, जिसे निर्धारित समयसीमा के तहत पूरा किया जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए 22 मार्च तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। 23 मार्च को स्क्रूटनी होगी और 24 मार्च नाम वापसी की अंतिम तारीख है। इसके बाद तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगा। हालांकि, अब तक किसी अन्य दावेदार के सामने नहीं आने से यह लगभग तय माना जा रहा है कि नीतीश कुमार निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाएंगे। पूरी प्रक्रिया औपचारिकता भर रह गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा पहले ही कह चुके हैं कि हर कार्यकर्ता की इच्छा है कि नीतीश कुमार ही अध्यक्ष बने रहें।

चीन-पाक नौसैनिक गठजोड़ पर संसद समिति की चेतावनी, भारत को सक्रिय रहने की दी सलाह

नई दिल्ली । संसद की विदेश मामलों की समिति ने चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ते नौसैनिक सहयोग को लेकर गंभीर चिंता जताई है। समिति ने सरकार को सुझाव दिया है कि भारत को इस उभरते खतरे से निपटने के लिए पहले से ज्यादा सक्रिय रणनीति अपनानी चाहिए। समिति, जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस सांसद शशि थरूर कर रहे हैं, ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन-पाकिस्तान का बढ़ता नौसैनिक गठजोड़ भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।रिपोर्ट के अनुसार, हिंद महासागर क्षेत्र भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

ईरान में युद्ध पर सियासत

सांसद थरूर बोले यह कायरता नहीं जिम्मेदार कूटनीति है.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में जंग को लेकर भारत सरकार की चुप्पी पर कांग्रेस के भीतर ही अलग-अलग राय सामने आई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकार के रुख का बचाव करते हुए इसे जिम्मेदार कूटनीति बताया है, जबकि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इसी चुप्पी को जिम्मेदारी से पलायन करार दिया था। अपने लेख में शशि थरूर ने कहा कि भले ही यह युद्ध अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है और भारत के मूल सिद्धांतों संप्रभुता, अहिंसा और शांतिपूर्ण समाधान का उल्लंघन होता है। थरूर के मुताबिक,

करता है, लेकिन विदेश नीति में केवल नैतिकता के आधार पर फैसले नहीं लिए जा सकते। उन्होंने कहा कि भारत को अपने राष्ट्रीय हित, रणनीतिक साझेदारी और क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए संतुलित रुख अपनाना होता है। थरूर के मुताबिक, सरकार की चुप्पी कायरता नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है, और कई बार बिना बयान दिए भी कूटनीतिक रास्ते खुले रखे जा सकते हैं। थरूर ने यह भी कहा कि भारत के पश्चिम एशिया में बड़े हित जुड़े हैं करीब 200 अरब डॉलर का व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और लगभग 90 लाख भारतीयों की मौजूदगी, ऐसे में किसी भी कड़े सार्वजनिक बयान से इन हितों पर असर पड़ सकता है। उन्होंने अमेरिका के साथ भारत के रक्षा और तकनीकी संबंधों का भी जिक्र करते हुए कहा कि नैतिक भाषण देकर इन संबंधों को खतरे में डालना समझदारी नहीं होगी।

दिल्ली के पालम में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

शोक सभा के दौरान भिड़े आप और बीजेपी कार्यकर्ता, हुई मारपीट

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के पालम इलाके में हाल ही में एक दर्दनाक अग्निकांड हुआ जिसमें एक ही परिवार के नौ लोगों की दुखद मृत्यु हो गई थी। इस हादसे के बाद शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने पहुंचे राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच गुरुवार को भारी बवाल हो गया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पहुंचने से ठीक पहले वहां मौजूद 'आप' और बीजेपी समर्थकों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और मारपीट हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला लेकिन इस घटना ने इलाके में काफी तनाव पैदा कर दिया है। शोक सभा के दौरान जब आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज वहां बैठे थे, तभी बीजेपी विधायक कुलदीप सोलंकी वहां पहुंचे। सौरभ भारद्वाज ने सोलंकी को अपने मोबाइल पर एक वीडियो दिखाना शुरू किया जिसमें बचाव कार्य के दौरान हाइड्रोलिक मशीन फेल होती दिख रही थी। भारद्वाज ने इस मशीन की विफलता के लिए सीधे तौर पर भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराना शुरू कर दिया जिससे वहां तीखी नोकझोंक छिड़ गई। देखते ही देखते यह बहस गाली-गलौज और धक्का-मुक्की में बदल गई और दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच जबरदस्त हंगामा खड़ा हो गया। इसी गहमागहमी के बीच भीड़ में से किसी अज्ञात व्यक्ति ने एक कुर्सी उठाकर फेंकी जो सीधे आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक को जा लगी। इस हमले में पूर्व विधायक विनय मिश्रा और एक अन्य

नेता को चोटें आई हैं जिसके बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को बिगड़ता देख वहां सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस कर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों के नेताओं को वहां से हटा दिया। पुलिस ने उत्तेजित कार्यकर्ताओं को मौके से हटाकर मामले को शांत कराया और घायल नेताओं को प्राथमिक उपचार के लिए तुरंत अस्पताल भेजा। फिलहाल पुलिस प्रशासन ने एहतियात के तौर पर पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के शाम पांच बजे पहुंचने से ठीक पहले हुई इस घटना ने दिल्ली में नया विवाद पैदा कर दिया है। दोनों ही दलों के नेता अब एक-दूसरे पर शांति भंग करने और शोक के माहौल में राजनीति करने का काफी गंभीर आरोप लगा रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने भी इस तरह की घटना पर नाराजगी जताई है क्योंकि परिवार अभी नौ सदस्यों को खोने के गम से उभर नहीं पाया है। अग्निकांड के दौरान हाइड्रोलिक मशीनों के फेल होने के मुद्दे ने अब राजनीतिक मोड़ ले लिया है और प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठ रहे हैं। आम आदमी पार्टी इसे सरकार की बड़ी विफलता बता रही है जबकि सत्ता पक्ष का कहना है कि मशीनों को लेकर राजनीति करना सरासर गलत है।

भिड़ंत के बीच पीड़ित परिवार अब भी सदमे में

पालम अग्निकांड में जान गंवाने वाले 9 लोगों के परिवार को अब सरकारी सहायता और न्याय मिलने का बेसब्री से इंतजार है ताकि राहत मिल सके। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच के आदेश दे दिए हैं और शॉर्ट सर्किट या गैस लीक जैसे पहलुओं पर विस्तार से गौर किया जा रहा है। नेताओं को इस भिड़ंत के बीच पीड़ित परिवार अब भी सदमे में है और वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी शोक सभा को पूरी करना चाहते हैं। दिल्ली पुलिस के लिए इस समय इलाके में शांति बनाए रखना एक बहुत बड़ी चुनौती बन गई है क्योंकि तनाव अब भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारी दोनों पक्षों के बयानों की जांच कर रहे हैं और मारपीट करने वाले आरोपियों की पहचान करने की पूरी कोशिश में जुटे हुए हैं। राजनीतिक रैलियों और सभाओं के दौरान बढ़ती हिंसा ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था और नेताओं के आचरण पर भी कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

अल्ट्राटेक सीमेंट रावन सी एस आर द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

बलौदाबाजार। अल्ट्राटेक सीमेंट रावन सीएसआर द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के भव्य आयोजन के अवसर पर सीएसआर केंद्र में 350 से अधिक महिलाओं की सहभागिता रहीं, सीएसआर सामाजिक सरोकार कार्यक्रम के तहत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सीएसआर केंद्र रावन में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नीतु सिंह अध्यक्ष नीर तरंग महिला मंडल एवं यूनिट हेड राजेश कुमार, ग्राम पंचायत सरपंच, जनपद सदस्य, आरएचओ सीएचओ मितानीन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वच्छता समूह एवं स्वयं सहायता समूह की भागीदारी रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अध्यक्ष नीर तरंग महिला मंडल एवं यूनिट हेड राजेश कुमार, ग्राम पंचायत सरपंच, जनपद सदस्य, द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन करके किया गया इसके पश्चात् महिला सशक्तिकरण के महत्व को दर्शाती सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ पेश की गईं। मुख्य अतिथि एवं यूनिट हेड ने महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक प्रगति और आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डालते हुए प्रेरणादायक एवं उत्साहवर्धक संबोधन दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। यह कार्यक्रम महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करने और उनके सतत विकास एवं सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित करने वाला एक प्रेरणादायक आयोजन साबित हुआ। इस अवसर पर प्रशासनिक प्रमुख संजीव मिश्रा, अक्षय प्रकाश झा सेक्शन हेड एडमिन, सीएसआर प्रमुख विनोद श्रीवास्तव, अधिकारी ज्योत्सना पति एवं रंजय पाण्डेय की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएसआर टीम के सदस्य द्वारिका वर्मा, सुरेंद्र कुमार यादव, ताराचंद वर्मा, जानकी यादव हेमलता ध्रुव, सुनिता निषाद एवं साहिल बांधे की भागीदारी रही।

राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईव्हीएम वेयर हॉउस का किया गया निरीक्षण

बलौदाबाजार। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुलदीप शर्मा ने राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईव्हीएम वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। उन्होंने ईव्हीएम कक्ष की साफ- सफाई एवं एंटीटर्माईट उपचार हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों ने उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर करने के उपरांत वेयर हॉउस के 5 कक्षों में रखे गए ईव्हीएम का बारी-बारी से निरीक्षण किया। ये सभी ईव्हीएम लोकसभा निर्वाचन 2024 में प्रयुक्त हुए थे। इस दौरान साफ -सफाई एवं सीपेज की समस्या दूर करने के निर्देश अधिकारियो को दिये गए। इसके पश्चात् सीसीटीवी मॉनिटरिंग रूम में सीसीटीवी कैमरो के फीड एवं टाइमिंग का भी अवलोकन किया गया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी निशा नेताम मड़ावी सहित विभिन्न राजनैतिक दल के प्रतिनिधि मौजूद थे।

आरव राहुल और तुषार का नवोदय में चयन, क्षेत्र में हर्ष

भंवरपुर। क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि बरतियाभांठा निवासी राजेन्द्र पटेल के सुपुत्र आरव पटेल का चयन प्रतिष्ठित जवाहर नवोदय विद्यालय में हुआ है। अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर आरव ने यह सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आरव पटेल वर्तमान में अल्फा ओमेगा इंग्लिश मीडियम स्कूल के छात्र हैं। इसके साथ ही साथ इसी विद्यालय के राहुल मैत्री और तुषार चौधरी का चयन भी नवोदय विद्यालय में हुआ है। विद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार मुत्रा ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता उसकी कड़ी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने चयनित छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गौरतलब है कि जवाहर नवोदय विद्यालय को देश के उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में से एक माना जाता है, जहाँ प्रवेश हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में सीमित सीटों के लिए हजारों छात्र भाग लेते हैं। ऐसे में इन छात्रों का चयन उसकी प्रतिभा और समर्पण का स्पष्ट प्रमाण है। परिवारजनों एवं क्षेत्रवासियों ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इन छात्रों को बधाई दी है तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सभी ने इसे क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया है।

आईये, सिस्टम फॉलो करिये, महफिल सजाईये...

धमतरी। पुलिस विभाग भले ही दावा करे कि सट्टा, जुआ पर कार्यवाही की जा रही है, लेकिन इसके पीछे की वास्तविकता कुछ और है जिसके चलते यह बात आम हो रही है कि विभाग के एक अधिकारी का स्पष्ट कहना है कि आईये, सिस्टम फॉलो करिये, महफिल सजाईये..। इस बात में कितनी सच्चाई है, यह तो नहीं मालूम परंतु जिस तरह जिले और जिले से बाहर के लोग आकर रोजाना महफिलें सजाते हैं उसकी खबर सार्वजनिक हो चुकी है, उससे इस बात में काफी दम नजर आता है। जो सिस्टम को फॉलो नहीं करता, उस पर विभाग के लोग कार्यवाही कर राजधानी में बैठे अधिकारियों के साथ साथ जनता को यह बताने का प्रयास करते हैं कि हमारे द्वारा अवैध कार्यों को रोकने का प्रयास लगातार किया जा रहा है, लेकिन सच्चाई कुछ और ही बयां कर रही है। जिले में बढ़ते अपराध जिसमें चाकूबाजी, जुआ, सट्टा, सूखा नशा से धमतरी जो कभी प्रदेश का सबसे शांत जिला माना जाता था, वर्तमान में अशांत नजर आ रहा है। एक तरफ छग शासन के मुखिया विष्णुदेव साय लगातार हिदायत दे रहे हैं कि प्रदेश में अपराधों पर लगाम कसी जाये। लेकिन जिले में उनका आदेश सिर्फ आदेश बनकर रह गया है। समय रहते बढ़ते अपराध पर अगर लगाम नहीं कसी गई तो युवा वर्ग का भविष्य पूरी तरह अंधकार में चला जायेगा। सट्टा के चंगुल में फंसकर अनेक घर बर्बाद हो चुके हैं। यह कोढ़ रूपी अवैध कृत्य समूचे जिले में अपने पैर जमा चुका है। ऐसे लोगों पर सख्ती के साथ कार्यवाही की मांग की जा रही है। विभाग के कुछ लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर प्रतिनिधि को बताया कि विभाग के अधिकारी का हर माह का टारगेट के चलते हम लोग काफी मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी राजधानी में बैठे वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं है, लेकिन न जाने क्यों शिकायतों को नजरअंदाज किया जा रहा है। मुंबई-नागपुर सट्टा खाईवाल पिछले लंबे समय से इस जिले में फल-फूल रही है जिससे अनेक घर बर्बाद हो चुके है। कई ऐसे लोग है जो सट्टा, जुआ की लत में अपने बर्तन तक बेचकर एक का दस पाने के लालसा में अपना भविष्य गंवा चुके हैं। समय समय पर दिखावे के लिये पुलिस विभाग द्वारा कार्यवाही की जाती है। लेकिन जो बड़ा सट्टा खाईवाल है, उस तक आज तक पुलिस नहीं पहुंच पाई है। इसी तरह अब जुआ फड़ भी जिले के विभिन्न गांवों के साथ साथ शहर स्तर में भी अपना वर्चस्व कायम कर चुका है। इसे चलाने वाले संबंधित लोग अपने आप को नेताओं का खास बताकर यह कृत्य धड़ल्ले से करवा रहे हैं। जुआ की खबर जब प्रकाशित होती है तब अपनी प्रतिष्ठा बचाने पुलिस विभाग एक-दो प्रकरण बनाते आ रहा है जबकि इसके संचालक आज तक पुलिस पकड़ से बाहर हैं। खबर के मुताबिक जिले के बाहर के लोग आकर यहां अपना वर्चस्व कायम कर चुके हैं और खेत-खार सहित ग्रामीण क्षेत्रों के खाली पड़े मकानों में, यहां तक बियाबान जंगलों में भी इसकी महफिल सज रही है। संबंधित थाना क्षेत्र के प्रभारी को इसकी खबर होने के बाद भी ऐसे लोगों पर कार्यवाही नहीं होना अनेक संदेहों को जन्म देता है। खबर के मुताबिक धमतरी जिले में जुआ, सट्टा खिलाने वालों के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही हैं। एक जुआ खिलाने वाला शख्स तो यहां तक कहता है कि हमारा सेटिंग के चलते सारा कारोबार संचालित होते आ रहा है। यही वजह है कि उस पर पुलिस विभाग के कुछ लोग हाथ डालने के लिये भी तैयार नहीं होते। जब उक्त जुआ संचालक के खिलाफ कोई शिकायत करता है तो उसकी शिकायत को दरकिनार कर जुआ संचालक को इसकी खबर दी जाती है और कुछ दिन जुआ खिलाने पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है, पश्चात फिर वह जुआ महफिल सजाना प्रारंभ कर देता है। सट्टा, जुआ के प्रकरण में पुलिस की भूमिका हमेशा संदेह के दायरे में रही है।

अवैध शराब पर देवभोग पुलिस की बड़ी कार्यवाही, 6 लोगों को किया गिरफ्तार

देवभोग। जिले में अवैध शराब निर्माण व बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु गरियाबंद पुलिस कप्तान द्वारा लगातार दिशा निर्देश प्राप्त है कि थाना क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण साथ ही बिक्री पूरी तरह प्रतिबंध हो दिशा निर्देश अनुसार थाना प्रभारी फैजुल होदा शाह द्वारा कार्यवाही लगातार जारी है इसी तारतम्य में लगभग पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर शराब रेड कार्यवाही कर कुल 06 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 109 बल्क लीटर ओडिशा प्रांत की महुआ शराब एवं देशी कच्ची महुआ शराब जप्त की गई। पकड़े गए आरोपी में । ललीन्द्र कश्यप पिता दुर्योधन कश्यप उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम सागौनबाड़ी को खुटगांव से सागौनबाड़ी जाने वाले मार्ग तेल नदी पुल के पास से 200 पाउच (प्रत्येक 200 एमएल) कुल 40 बल्क लीटर ओडिशा प्रांत की महुआ शराब सहित पकड़ा गया। द्वितीय प्रकरण में आरोपी बुटुराम यादव के कब्जे से दो प्लास्टिक जरीकेन में कुल 09 बल्क लीटर देशी कच्ची महुआ शराब जप्त किया गया।तृतीय प्रकरण में आरोपी तरुण डोंगरे पिता बिलमराम डोंगरे उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम कुम्हड़ईकला को देवभोग बेलाट नाला के पास से 30 पाउच (प्रत्येक 200 एमएल) कुल 06 बल्क लीटर ओडिशा प्रांत की महुआ शराब सहित पकड़ा गया। चतुर्थ प्रकरण में आरोपी टंकेश्वर यादव उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम गुरजीभाठा के कब्जे से तीन प्लास्टिक जरीकेन में कुल 15 बल्क लीटर देशी कच्ची महुआ शराब जप्त किया गया। पंचम प्रकरण में आरोपी मोहन ध्रुव उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम गुरजीभाठा के कब्जे से दो प्लास्टिक जरीकेन में कुल 15 बल्क लीटर देशी कच्ची महुआ शराब जप्त किया गया।

कलेक्टर जनदर्शन में विभिन्न प्रकरणों का हुआ निराकरण

दल्लीराजहरा। आयोजित कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम जिले के विभिन्न स्थानों से अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु पहुँचे आम नागरिकों के लिए राहत भरा साबित हुआ। इस दौरान कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से मधुर एवं बातचीत कर उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर आवेदकों के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। जनदर्शन में ग्राम भेंडी के सरपंच ने गांव में पेयजल समस्या के निराकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह दल्लीराजहरा की चेतना साहू ने वार्ड नंबर 21 में पानी निकासी एवं नाली निर्माण, गुरूर विकासखण्ड के ग्राम बोरिदकला के मनकी बाई, बबली साहू एवं लिमउडीह के दुलेश्वर साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लाभ दिलाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। इसी तरह डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम चिखली के ढालेश्वर साहू प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत किश्त की राशि प्रदान करने, ग्राम बरहों के ग्रामीणों ने नाली निर्माण कराने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में लोग कलेक्टर से मुलाकात करने पहुँचे थे। कलेक्टर मिश्रा ने जनदर्शन में पहुँचे लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर पूरी आत्मीयता से उनके मांगों एवं समस्याओं को सुना। मिश्रा ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से जनदर्शन में पहुँचे लोगों के मांगों एवं समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक, अजय किशोर लकरा एवं नूतन कंवर, संयुक्त कलेक्टर मधुहर्ष सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

विधानसभा घेराव में धमतरी एनएसयूआई का जंगी प्रदर्शन

जिलाध्यक्ष राजा देवांगन के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने घेरा विधानसभा

धमतरी। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आयोजित विधानसभा घेराव में धमतरी जिला एनएसयूआई ने ऐतिहासिक भागीदारी दर्ज कराई। जिलाध्यक्ष राजा देवांगन के नेतृत्व में धमतरी जिले के कोने.कोने से सैकड़ों की संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता राजधानी रायपुर पहुंचे और जंगी प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ हुंकार भरी। घेराव कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट का स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर राजा देवांगन के नेतृत्व में एनएसयूआई के जांबाज साथियों ने गर्मजोशी और भारी नारेबाजी के साथ भव्य स्वागत किया। कार्यकर्ताओं के उत्साह को देख पायलट ने भी उनका अभिवादन स्वीकार किया और हौसला बढ़ाया। एयरपोर्ट पर स्वागत के पश्चात राजा देवांगन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का रेला सीधे विधानसभा घेराव स्थल पहुंचा। यहाँ बेरोजगारी, अपराध और मनरेगा में हो रहे भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर धमतरी एनएसयूआई ने बैरिकेड्स तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

धमतरी का एक-एक छात्र और युवा जाग चुका है। सचिन पायलट के आगमन ने हमारे संघर्ष को नई धार दी है। प्रदेश में बढ़ते अपराध और युवाओं की अनदेखी को अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह जंगी प्रदर्शन सिर्फ शुरुआत है। जब तक जनता को न्याय नहीं मिलता, एनएसयूआई चैन से नहीं बैठेगी। इस प्रदर्शन में धमतरी जिले के सभी ब्लॉक अध्यक्ष, पदाधिकारी और विधानसभा स्तरीय सैकड़ों कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ डटे रहे। इस अवसर पर नोमेश सिन्हा, तेजप्रताप साहू, लिकेश साहू, यश चंद्राकर, चैतन्य साहू, विवेक बंजारे, लक्की निर्मलकर, गुलाब साहू, सूरज सिन्हा, गब्बर, लक्की निर्मलकर, राकेश नेताम, चैतन्य साहू, सूरज सिन्हा, विवेक बंजारे, चंद्रकांत बनर्जी, गुलाब साहू, लकेश्वर साहू, जय प्रकाश साहू, भावेश चंदनिया, खिंझन मरकाम, जग्गू पटेल, गज्जू मरकाम, भोजराज नवरंग, कुलेश्वर टंडन, रियांश ध्रुव, सौरभ पाल समेत अनेक एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष छाबड़ा के नेतृत्व में विधानसभा घेराव पदाधिकारी-कार्यकर्ता हुए शामिल

बेमेतरा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आयोजित मनरेगा बचाओ महासंग्राम के तहत रायपुर में हुए विधानसभा घेराव कार्यक्रम में बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा के नेतृत्व में जिले से बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं मनरेगा से जुड़े श्रमिक शामिल हुए। इस दौरान जिले के सभी ब्लॉक अध्यक्षों तथा हजारों पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मनरेगा से जुड़े अनेक व्यक्तियों ने भी बड़ी संख्या में रायपुर पहुंचकर इस महासंग्राम में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। इस महाआंदोलन में जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा, सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटियां, शहर कांग्रेस कमेटी, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई तथा संगठन के अन्य प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए और पूरे उत्साह व प्रबलता के साथ विधानसभा घेराव में भाग लेते हुए आंदोलन को मजबूत समर्थन दिया।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि मनरेगा कांग्रेस पार्टी की ऐतिहासिक एवं जनहितकारी योजना है, जिसने देश के छोटे-से-छोटे गांवों में गरीब एवं मजदूर वर्ग को रोजगार उपलब्ध कराया। इस योजना के माध्यम से लाखों श्रमिकों को काम मिला, उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी द्वारा मनरेगा योजना को कमजोर करने, बंद करने तथा इसका नाम बदलने की साजिश की जा रही है, जो मजदूरों और इस योजना से जुड़े हर व्यक्ति के अधिकारों का सीधा हनन है। आशीष छाबड़ा ने कहा कि जब-जब मजदूरों और किसानों के अधिकारों पर आंच आएगी, तब-तब कांग्रेस पार्टी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करेगी। कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीब, किसान और मजदूर वर्ग की आवाज बनकर उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ती रहेगी। मनरेगा से जुड़े श्रमिकों, कांग्रेस पदाधिकारियों और हजारों कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर इस आंदोलन में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराते हुए विधानसभा घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिला पंचायत में योजनाओं की गहन समीक्षा बेहतर क्रियान्वयन के दिए गए निर्देश

बेमेतरा। जिला पंचायत के सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेमलता पद्माकर की अध्यक्षता में ग्राम पंचायतों में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रगति की स्थिति का मूल्यांकन एवं जमीनी स्तर पर आ रही समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करना रहा। बैठक में प्रमुख रूप से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा बिहान योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। सीईओ ने योजनाओं के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की बिंदुवार जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए निर्देशित किया गया कि सभी ग्राम पंचायतों में स्वीकृत कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, जिन कार्यों की स्थिति मनरेगा एमआईएस पर अपूर्ण प्रदर्शित हो रही है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर अधिक श्रमिक लगाकर शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा समय पर सीसी जारी करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवास निर्माण कार्यों में प्रत्येक हितग्राही को 90 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराने हेतु शत-प्रतिशत मास्टर रोल जारी कर निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता में रखते हुए रिचार्ज पिट, सोक पिट, ड्रबरी निर्माण जैसे सभी स्वीकृत कार्यों को भौतिक रूप से समयबद्ध पूर्ण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश प्रदान किए गए। पद्माकर ने मनरेगा के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को तेजी से पूर्ण करने, मजदूरों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। वहीं स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण एवं स्वच्छता गतिविधियों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। सभी सक्रिय श्रमिक का ई केवाय सी पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने, हितग्राहियों को समय पर किस्तों का भुगतान सुनिश्चित करने तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बिहान योजना के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करने पर भी बल दिया गया। बैठक में तकनीकी सहायक, विकासखंड समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा एवं आवास) सहित जनपद एवं जिला स्तर के सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर योजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाने के निर्देश दिए गए। अंत में सीईओ जिला पंचायत ने स्पष्ट रूप से कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है, इसलिए सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाते हुए कार्य करें, ताकि जिले में विकास कार्यों की गति और अधिक तेज हो सके तथा आमजन को योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त हो।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर से बैटरी चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। खेतों में खड़े ट्रैक्टर को निशाना बनाकर चोरी करने वाले आरोपी को नरहरपुर पुलिस ने घर दबोचा। चोरी किए गए सामान को वाहन में भरकर बेचने की फिराक में घूम रहे आरोपी की योजना पुलिस की सतर्कता के आगे नाकाम हो गई और पूरे मामले का खुलासा हो गया। मामला कोचवाही गांव का है, जहां 13 मार्च को खेती कार्य के बाद दो ट्रैक्टर घर की बाड़ी में खड़े किए गए थे। 14 मार्च की सुबह जब परिजनों ने देखा तो दोनों ट्रैक्टरों के बैटरी कवर खुले थे और बैटरियां समेत अन्य उपकरण गायब थे। प्रार्थी कमल ठाकुर की रिपोर्ट पर थाना नरहरपुर में अपराध क्रमांक 65/2026 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सुखुराम शोरी (45 वर्ष) निवासी बनसागर को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध करना स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ट्रैक्टर क्रमांक [illegible] 19 [illegible] 3742 की बैटरी (स्त्र), हाइड्रोलिक पट्टी, ट्रॉली हॉज और ट्रॉली टोचन, ट्रैक्टर क्रमांक [illegible] 18 [illegible] 9411 की बैटरी (एमरान), हाइड्रोलिक पट्टी एवं कल्टीवेटर एडजेस्टर सहित कुल लगभग 32,000 रुपये मूल्य का सामान बरामद किया।

तेज रफ्तार स्कूटी हादसा: प्रॉपर्टी डीलर की दर्दनाक मौत

रायपुर। शहर के तारबाहर थाना क्षेत्र में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक युवक की जान चली गई। तेज रफ्तार स्कूटी अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर बिजली के खंभे से जा भिड़ी, जिससे स्कूटी सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान तालापारा निवासी 29 वर्षीय मोहम्मद जैद खान के रूप में हुई है, जो प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता था। जानकारी के अनुसार, जैद रविवार रात अपने दोस्तों के साथ हैवंस पार्क स्थित बार में पार्टी करने गया था। रात करीब 1 बजे बार बंद होने के बाद, अधिक नशे की स्थिति को देखते हुए उसके दोस्त ने उसे बुलेट चलाने से मना कर अपनी स्कूटी दे दी। इसके बाद जैद दोस्तों के साथ शहर में घूमता रहा और फिर दोबारा बार पहुंचा, लेकिन वहां शराब नहीं मिलने पर वह स्कूटी से बस स्टैंड की ओर निकल गया। इसी दौरान तेज रफ्तार के कारण वह स्कूटी पर नियंत्रण खो बैठा और हैवंस पार्क के सामने डिवाइडर से टकराते हुए बिजली के खंभे से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और जैद के सिर में गंभीर चोट आई।

बेटी ने निभाया बेटे का फर्ज, मां को कंधा देकर दी मुखाग्नि

रायपुर। जिले के परसाही गांव से एक भावुक और प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई, जहां एक बेटी ने सामाजिक परंपराओं को तोड़ते हुए अपनी मां को अंतिम विदाई दी। आमतौर पर अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी बेटे निभाते हैं, लेकिन यहां बेटी ने खुद आगे बढ़कर यह कर्तव्य निभाया। जानकारी के अनुसार, ग्राम परसाही निवासी 70 वर्षीय भूरी बाई चौहान का निधन हो गया। उनके परिवार में दो बेटियां हैं। मां के निधन के बाद जहां पूरा परिवार शोक में डूबा था।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में राज्य पिछड़ा वर्ग सलाहकार परिषद की बैठक संपन्न

राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए प्रदेश में होगा अलग से संचालनालय का गठन

■ नवीन हॉस्टल भवन निर्माण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विकास संबंधित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज विधानसभा स्थित समिति कक्ष में राज्य पिछड़ा वर्ग सलाहकार परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए प्रदेश में अलग से संचालनालय गठन,नवीन हॉस्टल भवन निर्माण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विकास संबंधित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा हमारी सरकार पिछड़ा वर्ग समाज के विकास लिए प्रतिबद्ध है। हम उनकी चिंता कर नये विकास का कार्य कर रही है। राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बड़ी संख्या निवास करती है, जिनमें लगभग 95 जातियां एवं उनके उपसमूह निवासरत है। हमारी सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग के शैक्षणिक एवं सामाजिक आर्थिक विकास की चुनौतियों के प्रति संवेदनशील है। हमारी सरकार समाज के महत्वपूर्ण किन्तु विकास में पीछे रह गये इन वर्गों के सामाजिक सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हुए उनके सर्वांगीण विकास पर विशेष बल देते हुए समग्र विकास के लिए कृत संकल्पित है।संकल्प को पूर्ण करने हेतु हमारी सरकार ने पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग,मंत्रालय गठित किया है, जिससे इन वर्गों के विकास के लिए गति प्रदान की जा सके तथा इनके लिए नवाचार योजनाओं को लागू किया जा सके। इसके अतिरिक्त इन वर्गों के समस्याओं पर सम्यक रुप से विचार कर समस्या का समाधान किया जा सके, जिससे यह समाज भी विकास की मुख्य धारा में शामिल हो सके। पिछड़ा वर्ग के विकास हेतु अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया गया है तथा पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग भी गठित किया गया है। इसके लिए लौहशिल्प विकास बोर्ड, रजककार विकास बोर्ड तथा तेलघानी विकास बोर्ड भी गठित किया गया है। इन उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विभाग ने नवीन मुख्य बजट में इन वर्गों के शैक्षणिक विकास हेतु छात्रावास, आश्रम, प्रयास आवासीय विद्यालय संस्थान स्थापित किये गये है। इसके अतिरिक्त पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति को ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से छात्रवृत्ति विद्यार्थी के खाते में सीधे भुगतान किया जा रहा है। इस हेतु रुपये 150 करोड़ का प्रावधान किया गया है। भुगतान को व्यवस्था को समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु नवाचार करते हुए निरंतर मॉनिटरिंग के माध्यम से छात्रवृत्ति की स्वीकृति एवं भुगतान चालू वर्ष में ही किये जाने की व्यवस्था की गई है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों के प्रशिक्षण हेतु आर्थिक सहायता की योजना मुख्य बजट में लाई गई है, जिसके माध्यम से इंजीनियरिंग, मेडिकल, यूपीएससी, सीजीपीएससी, एसएससी, रेल्वे, बैंकिंग आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इसके साथ ही विद्यार्थियों के छ.ग. राज्य के भौगोलिक एवं प्राकृतिक संरचनाओं के अध्ययन तथा सांस्कृतिक धरोहरों के संबंध में अभिरुचि के विकास हेतु शैक्षणिक भ्रमण के लिए प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि हमने मुख्य बजट में नवीन योजना मुख्यमंत्री शिक्षा सहयोग योजना लाई गई है, जिसके माध्यम से जिन विद्यार्थियों को छात्रावास में प्रवेश नहीं मिल पाता है, उनको अध्ययन के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए वर्तमान में 55 विभागीय छात्रावास स्वीकृत है। वर्तमान में नवीन बजट में 06 जिलों (रायगढ़, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी भरतपुर, धमतरी, रायपुर, जशपुर) में अन्य पिछड़ा वर्ग पो. मैट्रिक छात्रावास स्वीकृत किये गये है। इस दौरान राज्य पिछड़ा वर्ग सलाहकार परिषद के अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उक्त बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल,राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, मुख्य सचिव श्री विकासशील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण एवं अधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

थार वाहन खरीदने के लिए बेटे से कराई चोरी

रायपुर। बिलासपुर के सरकंडा क्षेत्र में सेना के रिटायर्ड जवान के घर से सोने के जेवर चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक महिला खरदीदार एवं दो नाबालिग समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने महंगी थार गाड़ी खरीदने की योजना के तहत जवान के बेटे को अपने ही घर में चोरी करने को कहा और 5 तोला सोना चोरी करवा लिया। बता दें कि भारतीय सेना से सेवानिवृत्त बहतराई निवासी सुशील कुमार शर्मा ने 14 मार्च को सरकंडा थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की और नाबालिग आरोपियों के साथ चोरी का सोना खरीदने वाले लोगों को भी पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी हुए सोने के शत-प्रतिशत जेवर बरामद कर लिए हैं। पुलिस पूछताछ में एक नाबालिग ने बताया कि सभी दोस्तों ने मिलकर थार गाड़ी खरीदने के लिए अपने-अपने घरों से सोना चोरी करने की योजना बनाई थी। इसी के तहत उन्होंने नकली सोना दिखाकर सुशील शर्मा के बेटे को असली सोना लाने के लिए उकसाया। हालांकि, चोरी किए गए सोने को बेचने के बाद भी रकम गाड़ी खरीदने के लिए पर्याप्त नहीं हुई, जिसके बाद आरोपियों ने पैसे खर्च कर दिए। पैसे खत्म होने पर वे फिर से सोना लाने के लिए दबाव बनाने लगे। पुलिस के अनुसार, जनवरी से मार्च के बीच नाबालिगों ने करीब 15 तोला सोना अलग-अलग लोगों को बेच दिया था। जिसे पुलिस ने सूचना के महज 24 घंटे के भीतर आरोपियों को पकड़कर बरामद कर लिया।

देश में एलपीजी का स्टॉक भरपूर है और वितरण में कोई समस्या नहीं है-पांडेय....

■ एलपीजी सिलेंडर को लेकर केवल भ्रम फैलाया जा रहा है - शिवनारायण पांडेय

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पांडेय ने कहा कि कांग्रेस द्वारा एलपीजी सिलेंडर को लेकर केवल भ्रम फैलाया जा रहा है एवं जनता के बीच दहशत का वातावरण बनाने का प्रयास किया जा रहा है। जबकि देश में एलपीजी का स्टॉक भरपूर है और वितरण में कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश एक सशक्त राष्ट्र बन रहा है और आज के हालात बताते है कि जब पूरी दुनिया युध्द के चलते आर्थिक संकटों से जूझ रही है वहीं भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी दृष्टि के चलते अपनी विकास की रफ्तार को कोई कमी नहीं आने दिया। उन्होंने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके शासनकाल में रसोई गैस के लिए लंबी कतारें लगती थीं और ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र 10 प्रतिशत परिवारों के पास ही गैस कनेक्शन था, जबकि आज यह संख्या 90 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। भाजपा सरकार ने उज्ज्वला योजना सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से घर-घर गैस पहुंचाकर माताओं और बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाई है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पांडेय ने कहा कि राहुल गांधी सहित पूरी कांग्रेस पार्टी देश में लोगों के बीच लगातार एलपीजी सिलेंडर के नाम पर राजनीतिक रोटी सेकने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता आपदा में अवसर तलाशने की राजनीति करते हैं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी जनता को डराकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी चुनौतियां अवश्य उत्पन्न हुई हैं, लेकिन भारत सरकार की दूरदर्शी नीतियों और मजबूत तैयारियों के कारण देश पर इसका प्रभाव बेहद सीमित रहा है।

बस्तर के वनांचलों में डिजिटल क्रांति

■ मातृत्व वंदना और पेंशन योजना की राशि घर-घर पहुँचा रही हैं बीसी सखियाँ

रायपुर/ संवाददाता

वह मंजर आज भी बस्तर के वनांचलों की यादों में एक कसक पैदा कर देता है, जब एक लाचार बुजुर्ग को अपनी चंद रूपए की पेंशन के लिए तपती धूप में मीलों पैदल चलना पड़ता था। कभी शारीरिक अक्षमता तो कभी तंगहाली के कारण बैंक तक न पहुँच पाने का वह दर्द और थक-हारकर सूनी आँखों से लौट आने की वह बेबसी ग्रामीण जीवन का एक कड़वा सच थी। लेकिन वक्त बदला और बस्तर की इन पथरीली राहों पर ममता और सेवा का हाथ बढ़ाते हुए बीसी सखियों ने उस करुणा को शक्ति में बदल दिया है। आज वही बुजुर्ग अपनी देहरी पर बैठी बैंक सखी को देख मुस्करा उठता है, क्योंकि अब बैंक चलकर उसके घर तक आता है। ग्रामीण बैंकिंग के इस मानवीय चेहरे का सबसे जीवंत उदाहरण छिंदगांव में देखने को मिलता है, जहाँ के वृद्ध हितग्राही रतन राम बघेल वृद्धावस्था के कारण चलने-फिरने में पूरी तरह असमर्थ हैं। ऐसे में बीसी सखी दशोमती कश्यप हर माह उनके घर जाकर पेंशन की राशि उनके हाथों में सौंपती हैं। अपनी इस सुविधा पर खुशी जाहिर करते हुए रतन राम बघेल कहते हैं कि बढ़ती उम्र और शारीरिक कमजोरी के कारण मेरे लिए बैंक तक जाना अब संभव नहीं रह गया था, पेंशन के पैसों के लिए हमेशा दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब दशोमती बेटी हर महीने घर आकर पैसे दे जाती है, जिससे मुझे बहुत सहारा मिला है। बैंक और ग्रामीणों के बीच एक मजबूत कड़ी बनकर उभरीं जिले की इन 144 बीसी सखियों ने फरवरी महीने में 4 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय लेन-देन कर यह साबित कर दिया है कि यदि महिलाओं को अवसर और तकनीक मिले, तो वे पूरी अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल सकती हैं। इन बैंक सखियों ने न केवल बैंकिंग सेवाओं को सुलभ बनाया है, बल्कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभाई है। विशेष रूप से मातृत्व वंदना योजना के तहत 67 लाख रुपये से अधिक की राशि गर्भवती और धात्री माताओं तक पहुँचाकर इन सखियों ने स्वास्थ्य और पोषण की दिशा में भी बड़ा योगदान दिया है। इसके साथ ही बुजुर्गों की पेंशन और नरेगा मजदूरों की मजदूरी का भुगतान भी अब इन्हीं बैंक सखियों के माध्यम से गाँव में ही सुरक्षित तरीके से हो रहा है।

विवादित पोस्ट से नफरत फैलाना ही कांग्रेस का एकमात्र एजेंडा-भाजपा

■ प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने कहा : पीसीसी पदाधिकारी की गिरफ्तारी से कांग्रेस का असली चेहरा फिर बेनकाब

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त सचिव विनोद तिवारी की दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तारी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार किया है। श्री दीपक ने कहा कि यह गिरफ्तारी साबित करती है कि कांग्रेस पार्टी वैचारिक रूप से दीवालिया हो चुकी है और अब केवल 'हेट स्पीच'के सहारे अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की कोशिश कर रही है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री दीपक ने कहा कि सोशल मीडिया पर जहर उगलना और धार्मिक या राजनीतिक विद्वेष फैलाना कांग्रेस के डीएनए में शामिल हो गया है। राहुल गांधी देशभर में मोहब्बत की दुकान खोलने का ढोंग करते हैं, जबकि वह खुद और उनके प्रदेश पदाधिकारी सोशल मीडिया पर नफरत फैला रहे हैं। यह 'मोहब्बत की दुकान' नहीं, बल्कि 'नफरत का शोरूम' है। कांग्रेस के 'मोहब्बत की दुकान' वाले नारे पर तंज कसते हुए श्री दीपक ने कहा कि दिल्ली पुलिस की कार्रवाई यह स्पष्ट करती है कि कानून सबके लिए बराबर है, चाहे वह किसी भी दल का पदाधिकारी क्यों न हो !! विनोद तिवारी जैसे नेताओं के कृत्यों से छत्तीसगढ़ की शांतिप्रिय छवि को राष्ट्रीय स्तर पर ठेस पहुँची है। कांग्रेस को जवाब देना चाहिए कि क्या वे अपने नेताओं को केवल गाली-गलौज और समाज को बाँटने की ट्रेनिंग देते हैं?

पत्नी समेत पांच गिरफ्तार मारपीट से युवक की मौत

रायपुर। जिले में प्रेम संबंध से उपजा विवाद एक दर्दनाक अंत तक पहुंच गया, जहां पत्नी ने अपने परिजनों को बुलाकर पति की पिटाई कराई और दो दिन बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस सनसनीखेज मामले में चार महिलाओं सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना थाना नारायणपुर क्षेत्र के ग्राम प्रेमनगर केराडीह की है। प्रार्थिया पार्वती बाई ने 4 मार्च को अपने बेटे सुनील राम की संदिग्ध मौत की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि करीब छह माह पहले सुनील राम प्रेम संबंध के चलते मीरा बाई को उसके गांव ढेंगुर जोर से अपने साथ ले आया था और पत्नी की तरह रख रहा था। इसी संबंध को लेकर दोनों के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई थी। 1 मार्च को सुनील राम घर पहुंचा और अपनी मां को बताया कि उसकी पत्नी मीरा बाई और उसके रिश्तेदारों ने उसके साथ मारपीट की है। इसके दो दिन बाद अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी, शरीर में तेज दर्द और प्यास की शिकायत हुई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर आई गंभीर चोटों को मौत का कारण बताया गया, जिसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) और 190 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया। जांच के दौरान पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि मीरा बाई ने ही अपने परिजनों को बुलाया था।

छत्तीसगढ़ के पर्यटन को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की पहल

देशभर के टूर ऑपरेटरों ने देखी छत्तीसगढ़ की अनोखी झलक...

■ छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की फेम ट्रिप से प्रभावित हुए देश के प्रतिनिधि, प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति और आतिथ्य की सराहना

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार और राज्य की प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक धरोहर को देश-दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा आयोजित फेम (फ्लरू) ट्रिप के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों से आए टूर ऑपरेटरों और ट्रैवल एजेंट्स ने बस्तर, मैनपाट और जशपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहर को करीब से देखा और उसकी भूरी-भूरी प्रशंसा की। फेम ट्रिप के दौरान प्रतिनिधियों को बस्तर जिले के विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया साथ ही बोटिंग भी कराई गई, जिसने उनके अनुभव को और रोमांचक बना दिया। इसके साथ ही प्रतिनिधियों ने चित्रकोट स्थित प्राचीन शिव मंदिर के दर्शन भी किए। बस्तर की जीवंत लोक संस्कृति से परिचित कराने के लिए प्रतिनिधियों को यहां के प्रसिद्ध हाट-बाजार भी ले जाया गया, जहां उन्होंने पारंपरिक मुर्गा लड़ाई जैसे स्थानीय सांस्कृतिक आयोजनों को देखा और बस्तर की विशिष्ट जनजातीय परंपराओं को समझा। इस भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों को ऐतिहासिक नगरी बारसूर भी ले जाया गया, जहां उन्होंने प्रसिद्ध बत्तीसा मंदिर और भगवान गणेश की अद्भुत एवं प्राचीन मूर्तियों का अवलोकन किया। इन ऐतिहासिक धरोहरों ने प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया। फेम ट्रिप के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बस्तर संभाग के प्रशासनिक अधिकारियों से भी मुलाकात की। प्रतिनिधियों ने बस्तर के कमिश्नर, आईजी और एसपी से भेंट कर क्षेत्र में पर्यटन विकास, सुरक्षा व्यवस्था और पर्यटन सुविधाओं पर चर्चा की। अधिकारियों ने उन्हें आश्वस्त किया कि बस्तर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसी क्रम में प्रतिनिधियों को मैनपाट के खूबसूरत पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण कराया गया। यहां उन्होंने करमा एथेनिक रिजॉर्ट और सैला रिसोर्ट का दौरा किया तथा मैनपाट की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण का अनुभव किया। इसके अलावा प्रतिनिधियों को कुनकुरी स्थित गिरजाघर, जशपुर का राजपुरी जलप्रपात तथा केरे विलेज जशपुर में स्थित महुआ होमस्टे जैसे आकर्षक पर्यटन स्थलों से भी परिचित कराया गया। इन स्थलों ने छत्तीसगढ़ के इको-टूरिज्म और ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं को उजागर किया। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा आयोजित यह फेम ट्रिप 13 मार्च से 18 मार्च तक आयोजित की जा रही है, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 28 टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट्स शामिल हैं। इन प्रतिनिधियों को दो समूहों में विभाजित कर राज्य के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार और पर्यटन बोर्ड का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के टूर ऑपरेटरों को राज्य की पर्यटन संभावनाओं से सीधे परिचित कराना है, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों का प्रचार-प्रसार कर सकें। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड राज्य के पर्यटन को नई पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा तथा प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य के नेतृत्व में राज्य में पर्यटन सुविधाओं के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए कई नवाचार किए जा रहे हैं। इस फेम ट्रिप से जुड़े प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता और यहां के लोगों के आत्मीय आतिथ्य की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और वे अपने-अपने राज्यों में छत्तीसगढ़ को एक आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देंगे। फेम ट्रिप का समापन 18 मार्च को रायपुर में आयोजित कार्यक्रम के साथ होगा, जहां दोनों समूहों के प्रतिनिधि एकत्रित होंगे और छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की ओर से राज्य की पर्यटन संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी जाएगी। इस पहल से आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के पर्यटन को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

संपादकीय

क्या पश्चिम एशिया का युद्ध खत्म कर देगा घर की गैस?

पश्चिम एशिया में संघर्ष की वजह से जैसे हालात बन गए हैं और जैसे-जैसे दिन लंबे खिंचते जा रहे हैं, उसके असर का दायरा भी बढ़ने लगा है। युद्ध में दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह की रणनीतियां अपनाई जा रही हैं, उसके कारण वैसे देश भी बुरी तरह प्रभावित हो हैं, जो टकराव से दूर हैं। दरअसल, ईरान पर अमेरिका और इजराइल के साझा हमले के बाद समूचा पश्चिम एशिया प्रभावित है और इसका खाड़ी देशों में तेल उत्पादन पर खासा असर पड़ा हैइस बीच ईरान ने जिस तरह होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित कर दिया है, उसके बाद उस मार्ग से होकर दुनिया के कई देशों में तेल की आपूर्ति भी रुक गई है। खासतौर पर भारत में तेल और गैस की दिक्कत जिस रूप में देखी जा रही है, वह कई स्तर पर चिंता पैदा करती है। हालांकि सरकार की ओर से यह कहा गया है कि देश के पास रणनीतिक और व्यावसायिक भंडार की पर्याप्त मात्रा मौजूद है और घरों तथा वाहनों के लिए इसमें कोई कटौती नहीं की गई है।सरकार ने उपभोक्ताओं से शांति बनाए रखने और किसी भी तरह की गैरजरूरी जमाखोरी से बचने की अपील की है। विडंबना यह है कि एक ओर सरकार ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और सुरक्षित बता रही है, दूसरी ओर देश के कई हिस्सों से बाजार में रसोई गैस के लिए अफरा-तफरी की खबरें आ रही हैं। सवाल है कि जब सरकार सब कुछ ठीक होने का आश्वासन दे रही है, जमाखोरी न करने की हिदायत दे रही है, तब भी लोगों के बीच रसोई गैस की कमी होने की आशंका कैसे फैल गई।असल में जब ईरान ने होर्मुज समुद्री मार्ग को रोक दिया और उसका असर तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ने लगा, तब सरकार ने न केवल खाना पकाने के गैस सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी, बल्कि पच्चीस दिन के बाद ही नया सिलेंडर मिलने की शर्त लगा दी। शायद यही वजह है कि लोगों के बीच यह धारणा बनी कि आने वाले दिनों में रसोई गैस की किल्लत होने वाली है।इसी के बाद एहतियातन रसोई गैस के सिलेंडर लेने की एक तरह से होड़ मच गई, जिसका फायदा कालाबाजारी करने वालों ने उठाया और कई जगहों से ऊंची कीमतों पर सिलेंडर बेचे जाने की खबरें आईं। इसी तरह, बिजली से चलने वाले चूल्हों की बिक्री में खासा इजाफा देखा गया। उपजने वाली स्थिति का अनुमान लगाने तथा उसी मुताबिक संकट का सामना करने की तैयारी करने के मामले में सरकार ने उदासीनता क्यों बरती।अब सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम लगाने, जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्ती बरतने की बात कह रही है, लेकिन हकीकत यह है कि रसोई गैस सिलेंडरों की कमी को लेकर लोग आशंकित हैं।

बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और पश्चिम एशिया के युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को एक बार फिर अस्थिर कर दिया है। तेल और गैस की आपूर्ति से जुड़े समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ने लगा है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव तेज हो गया है। ऐसी स्थिति में भारत जैसे ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भर देश के लिए यह चुनौतीपूर्ण समय है। भारत की आर्थिक गतिविधियां, उद्योग, परिवहन व्यवस्था और आम लोगों का दैनिक जीवन काफी हद तक पेट्रोलियम उत्पादों और गैस पर निर्भर करता है। इसलिए मध्य-पूर्व में किसी भी प्रकार का सैन्य संघर्ष भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित करता है। इस परिस्थिति में भारत सरकार को न केवल ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता सुनिश्चित करनी होगी, बल्कि अफवाहों और बाजार में पैदा होने वाली अनिश्चितता पर भी नियंत्रण रखना होगा। मध्य-पूर्व लंबे समय से दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा आपूर्ति क्षेत्रों में शामिल रहा है।

पश्चिम एशिया का संकट-भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए कितनी बड़ी चुनौती?

(जयदेव राठी)

खाड़ी क्षेत्र से दुनिया के अनेक देशों को कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होती है। इस क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले किसी भी संघर्ष का सीधा प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ता है। वर्तमान परिस्थितियों में सबसे अधिक चिंता समुद्री मार्गों को लेकर है, क्योंकि खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाले अधिकांश तेल टैंकर महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों से होकर गुजरते हैं।

अगर युद्ध के कारण इन मार्गों पर अवरोध उत्पन्न होता है, तो तेल की आपूर्ति में गंभीर बाधा आ सकती है। साथ ही जहाजों की सुरक्षा, बीमा लागत और परिवहन खर्च भी बढ़ जाता है, जिसका प्रभाव आखिर तेल की कीमतों पर दिखाई देता है। भारत की ऊर्जा संरचना को देखें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि देश की अर्थव्यवस्था अभी भी बड़े पैमाने पर आयातित तेल और गैस पर निर्भर है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल जरूरत का लगभग अस्सी फीसद से अधिक आयात करता है।

इनमें से एक बड़ा हिस्सा मध्य-पूर्व के देशों से आता है। यही कारण है कि खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ते ही भारत में ऊर्जा बाजार को लेकर चिंता बढ़ जाती है। अगर युद्ध के कारण तेल की आपूर्ति बाधित होती है या कीमतों में तेज वृद्धि होती है तो इसका प्रभाव सीधे भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर केवल पेट्रोल और डीजल की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका व्यापक आर्थिक प्रभाव होता है। परिवहन महंगा होने से वस्तुओं की ढुलाई की लागत बढ़ती है, जिससे बाजार में कई वस्तुओं के दाम बढ़ जाते हैं।

कृषि क्षेत्र भी इससे प्रभावित होता है, क्योंकि खेती से जुड़े कई उपकरण और परिवहन व्यवस्थाएं पेट्रोलियम उत्पादों पर आधारित हैं। इसी तरह, उद्योगों में उत्पादन लागत बढ़ जाती है, जिससे उत्पादों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। परिणामस्वरूप महंगाई बढ़ने की संभावना बनती है और आम लोगों की क्रय शक्ति पर असर पड़ता है। प्राकृतिक गैस की स्थिति भी भारत के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है। देश के कई उर्वरक संयंत्र, बिजली उत्पादन इकाइयां और औद्योगिक इकाइयां गैस पर निर्भर हैं।

भारत अपनी गैस जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है और इसका बड़ा भाग भी मध्य-पूर्व से आता है। अगर युद्ध के कारण गैस की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो उर्वरक और बिजली उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है। इससे कृषि और उद्योग, दोनों क्षेत्रों पर दबाव बढ़ सकता है। ऊर्जा संकट का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि रणनीतिक चुनौती भी है। ऊर्जा संसाधनों की कमी या कीमतों में अत्यधिक

वृद्धि से किसी भी देश की विकास गति प्रभावित हो सकती है।

भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देश के लिए ऊर्जा की निरंतर उपलब्धता बेहद जरूरी है। अगर तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं, तो इससे देश का आयात खर्च बढ़ने के साथ-साथ व्यापार घाटा भी बढ़ सकता है। इसका असर मुद्रा विनिमय दर और वित्तीय संतुलन पर भी पड़ेगा। इन चुनौतियों को देखते हुए भारत सरकार के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए बहुस्तरीय रणनीति अपनाए।

सबसे पहले सरकार को विभिन्न देशों से तेल और गैस की खरीद के विकल्पों को मजबूत करना होगा, ताकि किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम की जा सके। इसके साथ ही रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का उपयोग भी संकट के समय महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में रणनीतिक तेल भंडार तैयार किए हैं, जिनका उद्देश्य आपात स्थिति में देश की ऊर्जा जरूरतों को कुछ समय तक पूरा करना है। हालांकि केवल भंडार बनाना ही पर्याप्त नहीं है।

सरकार को ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण पर भी ध्यान देना होगा। रूस, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों से ऊर्जा आयात बढ़ाने की दिशा में पहले ही प्रयास किए जा चुके हैं। इस नीति को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में किसी एक क्षेत्र में संकट उत्पन्न होने पर देश की ऊर्जा व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित न हो। ऊर्जा संकट की स्थिति में एक और महत्त्वपूर्ण पहलू समाज में फैलने वाली अफवाहें होती हैं। कई बार सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से ऐसी खबरें फैल जाती हैं कि देश में ईंधन की कमी होने वाली है या पेट्रोल-डीजल की कीमतें अचानक बहुत बढ़ने वाली हैं। ऐसी अफवाहों के कारण लोग घबराहट में ईंधन का अनावश्यक भंडारण करने लगते हैं, जिससे बाजार में कृत्रिम संकट पैदा हो सकता है। इसलिए सरकार और प्रशासन के लिए यह आवश्यक है कि वे समय-समय पर स्पष्ट और प्रामाणिक जानकारी जनता तक पहुंचाते रहें। मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाती है। ऊर्जा संकट जैसे संवेदनशील विषयों पर अतिरंजना या अपुष्ट जानकारी समाज में अनावश्यक भय और भ्रम पैदा कर सकती है। दीर्घकालिक दृष्टि से देखें तो यह संकट भारत के लिए एक चेतावनी भी है कि ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक प्रयास किए जाएं। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जैव ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के विकास से भविष्य में तेल और गैस पर निर्भरता को कम किया जा सकता है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में इस दिशा में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन अभी भी काफी संभावनाएं शेष हैं। मध्य-पूर्व का वर्तमान संकट यह स्पष्ट संकेत देता है कि वैश्विक राजनीति और ऊर्जा बाजार एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष का प्रभाव पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। भारत के लिए यह समय सतर्कता, संतुलन और दूरदर्शिता के साथ नीति बनाने का है। सरकार को ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए बाजार में स्थिरता बनाए रखने पर ध्यान देना होगा। साथ ही अफवाहों और भ्रम की स्थिति से बचने के लिए पारदर्शी सूचना प्रणाली और जिम्मेदार संवाद भी जरूरी है। अगर भारत इस चुनौतीपूर्ण समय में संयम के साथ कदम उठाता है, तो वह न केवल इस संभावित ऊर्जा संकट से सुरक्षित रह सकता है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी मजबूत आधार तैयार कर सकता है। ऐसी परिस्थितियां कठिन जरूर होती हैं, लेकिन सही नीति और दूरदर्शिता के माध्यम से इन्हें अवसर में भी बदला जा सकता है। यही समय है जब भारत को अपनी ऊर्जा नीति को और अधिक मजबूत, संतुलित और भविष्योन्मुखी बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे।

'कुछ मीठा हो जाए' या 'कुछ बीमार हो जाए'? विज्ञापनों के पीछे छिपी कड़वी सच्चाई

(प्रभात कुमार)

आहार का स्वाद बनाए रखने के लिए चीनी और नमक बहुत जरूरी है। दुनिया के मशहूर बावर्ची खास और महंगे व्यंजन पकाते हुए नमक की बारी आने पर कहते हैं- स्वादानुसार। नमक तो ज्यादा खाना वैसे भी संभव नहीं होता। मीठा कम खाने के बारे कोई नहीं कहता, इसलिए मीठा रुकने का नाम नहीं लेता।

यह खूब खाया जाता है। इसके असर के बारे में जानते हुए भी लोग इससे बचना जरूरी नहीं समझते। हालांकि मोटापा, मधुमेह और दूसरे कारणों से जब शरीर परेशान होने लगता है, तब मीठा कम करना पड़ता है। हमारी जीवन शैली ही ऐसी है कि चीनी दुखी करने लगे, तब भी किसी न किसी बहाने मीठा खाना छूटता नहीं है।

कितने ही लोग सुबह उठकर गोली खा लेते हैं और दिन में गुलाब जामुन पेश किए जाएं, तो उन्हें मुस्कुराकर स्वीकार कर लेते हैं। कोई खुशखबरी जिंदगी में इठलाती हुई प्रवेश कर जाए और जल्दी से कोई मिठाई न मिल सके, तो चीनी को ही मिठाई मान कर मुंह मीठा करा दिया जाता है। वैसे हर मिठाई में चीनी की ही महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

लगभग हर प्रसाद में मिष्ठान खिलाया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि ज्यादा मीठा खाते रहना सेहत के लिए दिन पर दिन खतरनाक हुआ जा रहा है। खुशी मनाने और मनवाने के लिए मुंह मीठा करवाना हमारी ऐतिहासिक परंपरा है और परंपराओं से मुंह मोड़ना हमारे यहां सांस्कृतिक गुस्ताखी मानी जाती है। मीठा खाकर आराम से बैठने के कारण राष्ट्रीय सेहत बिगड़ रही है।

यह पढ़कर और जानकर कसैला अनुभव होता है कि हमारा देश दुनिया की मीठी राजधानी बनने की ओर अग्रसर है। आशंका है कि वास्तविकता में यह हो भी चुका हो, क्योंकि सच अब बेचारा हो चुका है। पता नहीं वक्त के किस कोने में सिर झुकाए बैठा होगा। 'कुछ मीठा हो जाए' जैसे विज्ञापनों ने प्यार तो बहुत पाया, तभी सामान भी खूब बिकवाया, लेकिन जितना नुकसान मीठा खाते रहने वालों का हुआ, उतना मीठा खाने वाले नहीं समझते।

मिठास के पीछे दुनिया इतनी दीवानी है कि उत्सव और खुशियों की पारंपरिक मिठाई, यानी गुड़ को भी नहीं बख्शा गया। उसे ज्यादा मीठा, कुरकुरा और स्वाद बनाने के लिए उसमें चीनी मिलाना कब से हो रहा है। दर्जनों प्रसिद्ध ब्रांडों की गजक चीनी के सहारे बिक रही है। कितनी ही चीजों में असली चीनी की जगह जो नकली चीनी खिलाई जा रही है, वह असली चीनी से ज्यादा खतरनाक बताई जाती है।

अच्छी सेहत के बारे में समझाने वाले उचित ही कहते हैं कि जब बीमारियां दस्तक देना शुरू कर रही हों तो भोजन में चीनी और नमक कम कर देना चाहिए। इस बारे में वाकई संजीदा विचार करना चाहिए और स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए कोई विज्ञापन प्रेरित करे या न करे, खुद ही अपने आप से कहा जाए कि मीठा ज्यादा नहीं, अब नमकीन भी कम हो जाए। यह दोनों शरीर में कम प्रवेश करेंगे, तो जिंदगी की असली सेहत सलामत रहेगी और तबीयत भी बार-बार खराब होने से बचा करेगी।

यह बिल्कुल सही कहा गया है कि डाक्टर के पास जाकर दवाई खाकर स्वस्थ रहना, स्वस्थ रहना नहीं है, बल्कि डाक्टर के पास न जाकर, स्वानुशासन अपनाकर स्वस्थ रहना ही वास्तव में स्वस्थ रहना है। यह बात दीगर है कि विषाणु, दुर्घटना, प्रदूषण और गरीबी के पड़ोस में तो कोई भी बीमार हो सकता है। खुशी मनाने के लिए 'कड़वा हो जाए' कहने का प्रचलन भी हमेशा रहा है और बढ़ता ही जा रहा है। मिठाई खाने से ज्यादा स्वाद तो लोग सोमरस पीने और पिलाने में लेते हैं।

यह पेय मिठाई खिलाने से कम रसीला नहीं माना जाता। यही माना जाता है कि खुशी की पार्टी तो तभी पूरी होती है, जब मदिरापान हो। एक बार मिली जिंदगी का पूरा लुत्फ लेने के लिए पीना पिलाना बढ़ रहा है। हमारे देश को इस तरह के स्वाद रस की खपत में दुनिया भर में काफी बढ़त मिली है। खुशी के अवसरों पर बच्चों, युवाओं और महिलाओं से बच बचाकर, 'आज शाम को पार्टी हो जाए' भी खुलकर कहा जा रहा है।

सवालों के घेरे में नीतीश कुमार की विदाई

(अमेश चतुर्वेदी)

राजनीति का एक चरित्र है। अपने कदमों को लिए वह जिन कारणों को गिनाती है, हकीकत में वे कारण होते ही नहीं। नीतीश ने भी कहा है कि वे चाहते थे कि संसद के दोनों सदनों और विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्य बनें। विधानमंडल और लोकसभा के वे सदस्य रह लिए हैं, लेकिन राज्य सभा के वे सदस्य कभी रहे नहीं। दो दशकों से बिहार की सत्ता की धुरी रहे नीतीश कुमार की विदाई को लेकर सियासी गलियारों में जितनी हैरत जताई जा रही है, सवाल भी उतने ही उठ रहे हैं। बीस साल से कुछ ज्यादा वक्त से लगातार बिहार की सत्ता में बने रहे नीतीश का सियासी स्वभाव ही सवालों और आश्चर्य की वजह बना है। नीतीश ने जब से सत्ता संभाली है, उन्होंने कभी ऐसा जाहिर नहीं किया कि वे सत्ता से दूर हो सकते हैं।

बीच में जीतन राम मांझी को नौ महीने के लिए सत्ता सौंपकर संन्यासी और वीतरागी जैसा दिखने की कोशिश उन्होंने जरूर की, लेकिन वह सिर्फ दिखावा था। सत्ता का असल सूत्र उनके ही हाथ था। जब लगा कि मांझी उस सूत्र को काट कर स्वाधीन पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं, उस धागे को काट सत्ता खुद थाम ली थी। नीतीश सत्ता को इतनी आसानी से छोड़ देंगे, इस पर आसानी से भरोसा ना करने की वजह उनका अतीत रहा है। कभी जीन विवाद तो कभी किसी दूसरी वजह से उन्होंने अपनी पुरानी सहयोगी बीजेपी को छोड़ उस लालू का हाथ दो-दो बार थाम लिया, जिनके विरोध की बुनियाद पर ही उनकी राजनीति परवान चढ़ी। फिर जब उन्हें लगा कि लालू का साथ उनकी सियासी नैया को डुबो देगा तो फिर बीजेपी की ओर लौटने में भी उन्होंने देर नहीं लगाई। यह सियासी आवाजाही हर हाल में सत्ता पर पकड़ बनाए रखने की उनकी चाहत का ही प्रतीक लगती है। इसी वजह से उनकी विदाई को सहजता से स्वीकार करना कठिन हो रहा है।

राजनीति का एक चरित्र है। अपने कदमों को लिए वह जिन कारणों को गिनाती है, हकीकत में वे कारण होते ही नहीं। नीतीश ने भी कहा है कि वे चाहते थे कि संसद के दोनों सदनों और विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्य बनें। विधानमंडल और लोकसभा के वे सदस्य रह लिए हैं, लेकिन राज्य सभा के वे सदस्य कभी रहे नहीं। इसलिए वे बिहार की राजनीति छोड़ राज्यसभा का सदस्य बनने जा रहे हैं। हो सकता है कि नीतीश की यह चाहत रही हो, लेकिन उनके बिहार को छोड़ने के पीछे का यह सच अधूरा है। विगत दो साल में नीतीश कुमार की जुबान कई बार फिसली है। उनकी हरकतें भी कई बार हास्यास्पद रही हैं। नीतीश की छवि ऐसे गंभीर शख्सियत की रही है, जो नाप-तोलकर बोलता है। इसी छवि ने गाहे-बगाहे फिसलती रही जुबान और उल-जलूल हरकतों के बावजूद उनके प्रति लोगों का सम्मान कम नहीं होने दिया है। इसी छवि के चलते विगत के बिहार चुनाव में एनडीए को भारी जीत भी मिली। लेकिन इसके साथ ही यह भी मान लिया गया कि इन चुनावों के बाद नीतीश की विदाई भी हो सकती है। यह कहना मुश्किल है कि बीजेपी और जनता दल यू ने तय किया हो कि चुनाव बाद नीतीश हट जाएंगे या हटा दिए जाएंगे। लेकिन जिस तरह से नीतीश ने खुद को बिहार से दूर किया है, उससे लगता है कि दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के बीच ऐसी समझ विकसित हो चुकी थी। चूंकि इसकी भनक बाहर नहीं लग पाई थी, इसलिए यह बदलाव लोगों को आसानी से पच नहीं रहा।

नीतीश ने जिस जनता दल यू को सींचा-खड़ा किया है, उसका भी चरित्र कुछ-कुछ कांग्रेस की तरह हो गया है। जिस तरह नेहरू-गांधी परिवार कांग्रेस को एक रखने का चुंबक है, नीतीश ही जनता दल यू के लिए उसी तरह के चुंबक हैं। बेशक राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन, संजय झा, विजय चौधरी और अशोक चौधरी, नीतीश के बेहद करीब हैं। लेकिन इन चारों की समूचे जनता दल यू में स्वीकार्यता नहीं है। जदयू को एक नीतीश रख सकते हैं या उनके बेटे निशांत। जदयू को एक रखने के लिए निशांत का राजनीति में आना जरूरी है। राजनीति में उनके प्रवेश की अटकलें करीब दो वर्षों से लगाई जा रही हैं। नीतीश की छवि परिवारवाद विरोधी नेता की भी है। बिहार की राजनीति के केंद्र में उन्हें लाने के पीछे लालू के परिवारवाद पर उनका तीखा हमला भी रहा है। ऐसे में नीतीश के बाद सीधे निशांत की ताजपोशी उनकी छवि को नुकसान पहुंचा सकती थी, लिहाजा निशांत को उत्तराधिकार सौंपने के लिए ऐसी राह चुनी गई है, जिससे नीतीश को कम से कम नुकसान हो। इसलिए वे दिल्ली में राज्यसभा की शोभा बढ़ाने जा रहे हैं, जबकि नीतीश बिहार की सत्ता में नंबर दो की पोजिशन संभालने जा रहे हैं। इस कदम से निशांत को सीधे बिहार की सत्ता मिल भी नहीं रही और जदयू पर पकड़ के लिए मजबूत रस्सी भी थमाई जा रही है।

बिहार इन दिनों आर्थिक संकट से गुजर रहा है। जीविका दीदियों के खाते में अब तक 18 हजार एक सौ करोड़ दिए जा चुके हैं। दो साल में करीब दो लाख

कर्मचारियों की भर्ती के बाद राज्य का वेतन खर्च 70 हजार करोड़ से ज्यादा हो चुका है। पेंशन खर्च पैंतीस हजार करोड़ हो चुका है। राज्य का बजट तीन लाख 67 हजार करोड़ का है। इसमें से पैंसठ फीसद खर्च प्रतिबद्ध खर्च है यानी विकास और योजना पर। राज्य की आर्थिक स्थिति की गड़बड़ी के चलते लालू राज के बाद पहली बार वित्त विभाग को आदेश देना पड़ा है कि कर्मचारियों के वेतन खर्च के अलावा कोई भुगतान ना किया जाए। नीतीश को यह कठिनाई पता है। माना जा रहा है कि बीजेपी को सत्ता सौंपने के पीछे उनका मकसद यह भी माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में राज्य के इस आर्थिक संकट को सत्ता के केंद्र में होने के चलते उसे भुगतना पड़ेगा। हो सकता है कि अपने लोगों के हाथ सत्ता होने के चलते बिहार को मोदी सरकार की ओर से केंद्रीय मदद मिल जाए।

1967 में आठ राज्यों में बनी संविद सरकारों में बीजेपी की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ ने समाजवादी दलों का साथ दिया था। मध्य प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल को छोड़ दें तो हर राज्य में समाजवादी दलों की वह सहयोगी रही। समाजवाद के साथ शुरू बीजेपी की यात्रा में धीरे-धीरे समाजवादी दलों का जनाधार छीजता चला गया। इस तरह उनका अस्तित्व ही खत्म हो गया। बीजेपी की इस वर्चस्ववादी यात्रा की राह में नीतीश का जनता दल यू और नवीन पटनायक का बीजू जनता दल रोड़ा रहा है। उड़ीसा के पिछले चुनाव में बीजेपी पटनायक को पटखनी दे चुकी है और अब नीतीश कुमार ने खुद ही कुर्सी खाली कर दी है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि बिहार में बीजेपी का अगुआ बनने का सपना पूरा होने जा रहा है। नीतीश अब बिहार की सत्ता का अतीत हैं। उनकी उपलब्धियां भी कम नहीं हैं। पहले दो कार्यकाल तक यानी 2015 तक उन्होंने बिहार को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम किया है। नीतीश की एक और उपलब्धि यह है कि लगातार बीजेपी का साथ होने के बावजूद उन्होंने अपनी सरकार का समाजवादी स्वरूप बचाए रखा। सुशासन और सरकार के समाजवादी स्वरूप के चलते नीतीश की राष्ट्रव्यापी छवि बनी। नीतीश की छवि तो बनी, लेकिन उन्होंने बिहार से बाहर अपना संगठन खड़ा नहीं किया। एक बार अरूणाचल में जदयू के 11 विधायक चुने गए, लेकिन उन्हें सहेजने में नीतीश की दिलचस्पी नहीं रही। इससे दुखी विधायक एक-एक कर पार्टी छोड़ गए। 2023 में इसी छवि के चलते उन्होंने इंडिया गठबंधन बनाने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस का अहं उनकी राह में आड़े आ गया। अगर कांग्रेस ने अपने नेतृत्व को आगे रखने की चाहत का बलिदान किया होता और नीतीश को संयोजक बना दिया होता, शायद इतिहास अलग होता। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पूर्व नक्सली से भी बात कर जानी उसकी समस्या

धुरनक्सल प्रभावित ग्राम मेड़वाही के ग्रामीणों के बीच दीपिका ने चौपाल लगाकर जन समस्याओं से हुई रूबरू

सुकमा। मेड़वाही 1200 ग्रामीणों की आबादी वाला ग्राम जो कभी नक्सलप्रभावित था आज जब यह समस्या दूर हो रही है तब भी यहां के ग्रामीण भारी समस्याओं के बीच जीवनयापन करने को मजबूर हैं गोंड़ एवं दोरला जनजाति बाहुल्य यह गाँव सुकमा जिला मुख्यालय से लगभग 50 किमी दूर पेंटा से लगभग 15 किमी अंदर बसा हुआ है, यहाँ शासन की योजनाएं तो पहुंच रही हैं परन्तु जनप्रतिनिधियों की अनदेखी कहें या शासकीय कर्मचारियों की लापरवाही कहें जिम्मेदारी तय करने वाले अधिकारी भी मौन हैं, यहां की सबसे बड़ी मूलभूत समस्या को देखते हुए शासन ने पीएमजीएसवाई के तहत सड़क निर्माण स्वीकृत तो करवाई परन्तु ठेकेदार ने सिर्फ मिट्टी कार्य कर निर्माण बन्द कर दिया,इस विषय में जब हमने सम्बंधित अधिकारी से बार की तो उन्होंने कहा कि समयावधि से कार्य पूर्ण न करने पर शासन ने इस कार्य को इसी स्तर पर बन्द कर दिया। मेड़वाही के ग्रामीणों की समस्याओं की खबर लगातार सामने आ रही थी जिसे सुनकर कभी नक्सलगढ़ के नाम से विख्यात इस ग्राम में ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत होने ग्रामीणों के बीच पहुंची छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी,इसी दौरान मेड़वाही के नक्सल विचारधारा को त्याग कर सामान्य जीवन जी रहे मड़कम भीमा से मिलकर उसकी भी समस्या से अवगत हुईं।

पीडीएस भवन है पर राशन मिलता है नदी के पार 15 किमी दूर पोलमपल्ली में - ग्रामीणों ने अपनी समस्या बताते आयोग सदस्य दीपिका से कहा कि हमारे ग्राम में पीडीएस भवन बना हुआ है पर राशन लेने हमें 15 किमी दूर पोलमपल्ली जाना पड़ता है जबकि बरसात के दिनों में नदी भर जाने के कारण बहाव तेज हो जाता है तो हमें दोरनापाल होकर जाना पड़ता है जिससे बहुत दिक्कत होती है।

न सड़क है सही और न ही पुल- पुलिया बारिश जीवन हो जाता है दूभर - ग्रामीणों ने बताया कि मुख्यमार्ग एनएच 30 तक पहुंचने हेतु शासन के द्वारा प्रधानमंत्री सड़क योजनांतर्गत सड़क स्वीकृत हुई थी परन्तु ठेकेदार की लापरवाही के कारण वह सड़क भी बंद कर दी गई है, मिट्टी का कार्य हुआ है जिसके कारण बरसात में यहाँ एम्बुलेंस तक नहीं आ पाता बीमार लोगों को व गर्भवती माताओं को कंधे पर या खाट पर ले जाना पड़ता है, दूसरी ओर पोलमपल्ली जाने के मार्ग पर एक बड़ी नदी पड़ती है जिसे बरसात में पार करना बहुत ही मुश्किल है इस नदी पर एक पुल की ज्यादा आवश्यकता है।

सलवा-जुडूम के समय जला दिए गए घर अब आवास की है आवश्यकता - चौपाल में दीपिका के समक्ष कोया समाज के अध्यक्ष सोढ़ी हांदा ने कहा कि सलवा जुडूम के समय उनके गांव अरलमपल्ली के लगभग 150 आवास जला दिए गए थे वहां सभी छोटी छोटी झोपड़ी बना कर रह रहे हैं आज उनके पीएम आवास की बेहद आवश्यकता है वहां सभी को आवास मिलने के साथ साथ अरलमपल्ली से नयापारा तक 3 किमी सड़क के साथ 3 पुलिया की भी जरूरत है अगर वह बन जायेगा तो सभी ग्रामीण पंचायत मुख्यालय से जुड़ जाएंगे।

झोपड़ी में लग रही स्कूल - अरलमपल्ली के ग्रामीणों ने बताया कि हमारे ग्राम की जनसंख्या लगभग 200 है हमारे ग्राम में स्कूल झोपड़ी में लग रही है शाला भवन निर्माणाधीन है उसका अधुरा निर्माण कर बन्द कर दिया गया है इस विषय में हमने शासन को जानकारी भी दी है परन्तु कोई सुनवाई नहीं हो रही है, हमारा जिला नक्सलमुक्त की ओर बढ़ रहा है और अब बहुत ही सरलता से कार्य हो सकते हैं परन्तु शासन की उदासीनता के कारण यहां अधूरे शाला भवन का निर्माण पुनः प्रारम्भ नहीं हो पा रहा है।

2 वर्षों से सोलर बोर से पम्प निकाला गया जिसके कारण बोर बन्द है- साथ ही ग्रामीणों ने दीपिका शोरी से अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि हम लोगों को पानी की भी बहुत दिक्कत हो रही है हमारे ग्राम में सोलर पंप था जिसका पम्प 2 वर्ष पूर्व खराब होने पर क्रेडा विभाग वालों ने उसे निकाल कर मरम्मत करवा कर पुनः लगा देंगे कहकर ले गए पर हम 2 वर्षों से उनका इंतजार कर रहे हैं वो नहीं आए।

प्रधानमंत्री की दो योजना का हो रहा बंटाधार-नल से कब निकलेगा पानी व कब होगा शौचालय का उपयोग इसका जवाब कौन देगा - भारत के प्रधानमंत्री की जनता के लिए जो दो महत्वपूर्ण योजना स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण एवं प्रधानमंत्री नल जल योजना का इस ग्राम पंचायत में बंटाधार होता प्रमुखता से देखा जा सकता है आप जैसे ही ग्राम पंचायत में प्रवेश करेंगे प्रत्येक घरों में घटिया स्तर से बने अनुपयोगी शौचालय एवं नल जल योजना अंतर्गत नल स्टैंड लगाया हुआ दिखाई तो देगा परन्तु शौचालय का उपयोग कब होगा और नल से पानी कब निकलेगा इसका जवाब यहाँ के ग्रामीणों के साथ साथ शायद जिम्मेदार अधिकारी, जनप्रतिनिधियों की ठेकेदार के पास भी नहीं है।

मां शीतला के दरबार में अप्रैल में सजेगा मेले का बाजार

कोंटा। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दोरनापाल की पावन धरती एक बार फिर आस्था, परंपरा और सामाजिक एकता के रंगों में रंगने जा रही है। मां शीतला की पवित्र धरा पर आयोजित होने वाला बहुप्रतीक्षित शीतला माता मेला इस बार 6 अप्रैल से 8 अप्रैल तक तीन दिवसीय भव्य आयोजन के रूप में आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर शीतला माता मेला आयोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक नगर के वरिष्ठ जनों और गांव के समाज प्रमुखों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक का माहौल न केवल औपचारिक था, बल्कि उसमें गांव की संस्कृति, परंपरा और श्रद्धा की गहरी झलक भी दिखाई दी। हर व्यक्ति के चेहरे पर इस मेले को सफल और यादगार बनाने का उत्साह साफ झलक रहा था। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए सभी ने मिलकर जिम्मेदारियों का बंटवारा किया और आयोजन की रूपरेखा तय की। बैठक में सर्वसम्मति से मेला आयोजन समिति का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष के रूप में अजय मंडावी को जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं उपाध्यक्ष के रूप में कारम मेड़ा, सचिव के रूप में मांडवी जोगा, सह सचिव के रूप में सुशांतो राय और कोषाध्यक्ष के रूप में रामसिंग यादव को चुना गया। इसके साथ ही समिति के संरक्षक के रूप में कोरसा सन्नू, सुखराम यादव, मांडवी देवा, पूनेम दुला, मांडवी गणेश और सोनू राम यादव को महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी गई। कार्यकारणी सदस्यों को भी चुना गया और वही इस वर्ष पत्रकारों को भी इस समिति में मीडिया प्रभारी सदस्य के रूप में चुना गया जिसमें मुख्य रूप से राजा राठौर, शिवा यादव, अनवर हुसैन,नवीन कश्यप, कृष्णा नायक, नीरज भदौरिया, संजय नायक, शेखर राय, पुरन साहू, अमन, रौशन चौहान,आदर्श शुक्ला, नाजिम शामिल है। मां शीतला मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह दोरनापाल और आसपास के गांवों की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी है। इस मेले में जहां एक ओर श्रद्धालु मां शीतला के दर्शन कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं, वहीं दूसरी ओर यह आयोजन लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का भी कार्य करता है। दूर-दूर से आने वाले लोग यहां अपने रिश्तों को मजबूत करते हैं और आपसी भाईचारे का संदेश देते हैं। तीन दिनों तक चलने वाले इस मेले में पूजा-अर्चना, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पारंपरिक खेलकूद और स्थानीय कला-संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। खास बात यह है कि यह मेला नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सकारात्मक माहौल और सामाजिक समरसता का संदेश भी देता है। जहां कभी डर और असुरक्षा का माहौल था, वहीं अब ऐसे आयोजन उम्मीद और विश्वास की नई किरण बनकर उभर रहे हैं। बैठक में उपस्थित वरिष्ठ जनों और समाज प्रमुखों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि यह मेला हमारी पहचान और परंपरा का हिस्सा है, जिसे हम सभी को मिलकर आगे बढ़ाना है। दोरनापाल में लगने वाला मां शीतला मेला एक बार फिर यह साबित करने जा रहा है कि आस्था और एकता की ताकत हर परिस्थिति में समाज को जोड़ने का कार्य करती है। अब सभी की निगाहें 6 अप्रैल पर टिकी हैं, जब मां शीतला के आशीर्वाद के साथ यह भव्य आयोजन शुरू होगा और पूरे क्षेत्र को उत्सव के रंग में रंग देगा।

भानुप्रतापपुर अस्पताल में 'मुफ्त' एम्बुलेंस के नाम पर वसूली बीएमओ बोले– 'डीजल, चाय-नाश्ते के लिए पैसे लेते हैं ड्राइवर'

भानुप्रतापपुर। सरकार एक ओर स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने और मरीजों को निःशुल्क परिवहन सुविधा देने का दावा करती है, वहीं भानुप्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जमीनी हकीकत इसके उलट है। यहाँ सरकारी एम्बुलेंस के चालक मरीजों की मजबूरी का फायदा उठाकर खुलेआम अवैध वसूली कर रहे हैं, और सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस पर लगाम लगाने के बजाय इसे जायज ठहरा रहे हैं।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के मुताबिक, ग्राम चिचगांव निवासी मंगल चक्रधारी अपनी गर्भवती पत्नी रीना चक्रधारी को प्रसव के लिए रविवार को भानुप्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए थे।

अस्पताल पहुंचने पर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें उच्च केंद्र रेफर कर दिया। मरीज को दल्ली राजहरा स्थित निजी अस्पताल ले जाने के लिए सरकारी वाहन (क्र. सीजी 02 7386) का उपयोग किया गया। मरीज के परिजनों का आरोप है कि इस यात्रा के बदले वाहन चालक राजेन्द्र बघेल द्वारा उनसे 1200 रुपये की मांग की गई और राशि वसूल की गई। बता दें कि भानुप्रतापपुर से दल्ली राजहरा की दूरी मात्र 30 किलोमीटर है, जिसके लिए सरकारी वाहन में निःशुल्क सुविधा होनी चाहिए थी।

जिम्मेदार अधिकारी का गैर-जिम्मेदाराना जवाब – जब इस गंभीर मामले की शिकायत खंड चिकित्सा अधिकारी सचिंद्र गोटा से की गई, तो उनका जवाब तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाला था। बीएमओ ने कथित तौर पर कहा कि पेट्रोल के लिए पैसा लिया जाता है और ड्राइवर कभी-कभी चाय-नाश्ते के लिए भी मांग लेते हैं। जब विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारी ही भ्रष्टाचार और अवैध वसूली को 'चाय-नाश्ते' का नाम देकर संरक्षण देंगे, तो निचले स्तर के कर्मचारियों का मनोबल बढ़ना स्वाभाविक है। इससे स्पष्ट होता है कि यह वसूली प्रबंधन की जानकारी में ही चल रही है।

अव्यवस्थाओं का केंद्र बना भानुप्रतापपुर अस्पताल – यह कोई पहला मामला नहीं है। भानुप्रतापपुर सरकारी अस्पताल आए दिन विवादों के घेरे में रहता है। स्थानीय ग्रामीणों और मरीजों ने कई बार शिकायत की है कि ड्यूटी के समय डॉक्टर अक्सर अस्पताल से नदारद रहते हैं। मरीजों और उनके परिजनों के साथ स्टाफ द्वारा दुर्व्यवहार किया जाता है। निःशुल्क मिलने वाली सेवाओं के बदले पर्दे के पीछे से पैसे वसूले जाते हैं।

जनता में आक्रोश – सरकार द्वारा संचालित 'महतारी एक्सप्रेस' और अन्य एम्बुलेंस सेवाएं इसलिए शुरू की गई थीं ताकि गरीब मरीजों को समय पर और बिना किसी खर्च के इलाज मिल सके। लेकिन भानुप्रतापपुर में यह योजना ड्राइवरों की कमाई का जरिया बन गई है। क्षेत्र की जनता अब प्रशासन से यह सवाल पूछ रही है कि आखिर कब तक मरीजों की बेबसी का यह सौदा होता रहेगा?

कोंटा स्वास्थ्य केंद्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन की चेतावनी

कोंटा। कोंटा नगर में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पार्षदगण, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में पानी की गंभीर समस्या और बाथरूम की खराब स्थिति सामने आई, जिससे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाथरूम उपयोग योग्य नहीं होने के कारण मरीजों को कोंटा बस स्टैंड स्थित सुलभ शौचालय का उपयोग करना पड़ रहा है। वहीं पानी की कमी के चलते मरीजों को अपने रिश्तेदारों से सहारा लेना पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने इन सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मौके पर मौजूद जिला चिकित्सा अधिकारी को अवगत कराया और जल्द समाधान की मांग की और शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। इस पर खंड चिकित्सा अधिकारी ने 7 दिनों के भीतर सभी अव्यवस्थाओं को ठीक कराने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सदस्य-सोयम भीमा, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष-सुधीर पांडेय, जिला महामंत्री- देवेंद्र कुमार, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष-उस्मान अली, नगर पंचायत अध्यक्ष-मौसम जया, सरपंच कृष्णा, पार्षद सेमल कुमारी, पार्षद सूरज सेमल, वरिष्ठ कांग्रेसी शेख मुनीर, कट्टम सत्ती, प्रियंका, विक्रम कुमार, नामीर अली, राजू सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दूरस्थ निमलगुड़ा में जिला प्रशासन की पहल, घर-घर स्वास्थ्य सेवाएं, हर जरूरतमंद तक पहुंच रही योजनाएं

कोंटा। ब्लॉक के दूरस्थ अंचलों में शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी कड़ी में कोंटा विकासखंड के ग्राम पंचायत निमलगुड़ा (स्कूल पारा) में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसने ग्रामीणों को बड़ी राहत प्रदान की। शिविर के दौरान स्वास्थ्य अमले ने घर-घर सर्वे कर ग्रामीणों का शुगर, बीपी एवं हीमोग्लोबिन (एचबी) परीक्षण किया। साथ ही टीबी, कुष्ठ (लेप्रोसी) और मोतियाबिंद जैसे गंभीर रोगों के संभावित मरीजों की पहचान कर आवश्यक जानकारी एकत्र की गई। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कोंटा, डॉ. दीपेश चंद्राकर के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में विशेष रूप से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान दिया गया। मौके पर ही बच्चों का टीकाकरण एवं आवश्यक जांच (एनसी) सुनिश्चित की गई, जिससे ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उनके घर के नजदीक ही उपलब्ध हो सकीं। ग्राम निमलगुड़ा, जिसकी कुल जनसंख्या 263 है और जहां 55 घर हैं, जैसे पहुंच विहीन क्षेत्र में इस तरह का शिविर प्रशासन की संवेदनशीलता और सक्रियता को दर्शाता है।

कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में भी शासन की हर सुविधा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और अन्य शासकीय योजनाओं से ग्रामीणों को जोड़कर उनके जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

लॉ की छात्रा मिताली वर्मा द्वारा किरन्दुल के विद्यालयों में दी गई कानूनी जानकारी

किरंदुल। लॉ की छात्रा मिताली वर्मा द्वारा शासकीय विद्यालय, गजराज कैंप एवम किरंदुल सहित आसपास के अन्य शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए कानूनी जागरूकता कक्षा का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को उनके अधिकारों, कर्त्तव्यों एवं सामान्य कानूनी जानकारी से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की।

कांग्रेस जांच दल का आरोप : नाबालिगों के साथ दुष्कर्म पर कोई कार्रवाई नहीं, भाजपा सरकार में आदिवासी बेटियां असुरक्षित

- जिला शिक्षा अधिकारी अपने जिम्मेदारी से बचने के प्रयास में लगे हैं : कांग्रेस

बीजापुर। जिले के गंगालूर सरकारी पोटा केबिन कन्या छात्रावास से जुड़े गंभीर मामले की जांच हेतु कांग्रेस द्वारा गठित 9 सदस्यीय स्तरीय जांच दल ने 18 मार्च को गंगालूर स्थित छात्रावास का दौरा किया और स्थानीय ग्रामीणों, पीड़ितों के परिजनों, अधीक्षक, शिक्षकों तथा कर्मचारियों से विस्तृत जानकारी ली।

जांच दल ने पाया कि पीड़ित छात्राएं नियमित रूप से सरकारी स्कूल में पढ़ती थीं, पोटा केबिन छात्रावास में रहती थीं और माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाओं में भी नियमित छात्र के रूप में शामिल हुई थीं। जांच दल ने उपस्थिति पंजी का निरीक्षण किया जिसमे सफेदा लगाकर उपस्थित को अनुपस्थित किया गया, जांच दल ने यह भी पाया कि वर्तमान अधीक्षिका पोटा कबीन आश्रम के अलावा प्री-मैट्रिक छात्रावास की भी अधीक्षिका है। पीड़ित छात्राओं को नियमित स्कालरशिप मिलता है। जाँच समिति को यह भी जानकारी दी गई कि जब छात्राएं स्कूल नहीं आ रही थी तो उन्हें किसी ने भी स्कूल नहीं आने के कारणों का पता लगाने का प्रयास भी नहीं किया गया है। जाँच दल ने कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, डीएमसी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी बीजापुर से मुलाकात कर वस्तुस्थिति को जाना। वही जाँच दल ने जिला शिक्षा अधिकारी लखन लाल धनेलिया के 15 मार्च के बयान पर तीखी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि छात्राएं अब छात्रावास में अध्ययनरत/निवासरत नहीं हैं और मीडिया रिपोर्ट्स भ्रामक एवं गुमराह करने वाली हैं। दल ने इसे झूठ और जिम्मेदारी से बचने का स्पष्ट प्रयास करार दिया। जांच दल ने आरोप लगाते हुए कहा कि नाबालिग बच्चों के साथ हुए दुष्कर्म पर अब तक किसी आरोपी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि सरकार को आदिवासी बच्चों की कोई चिंता नहीं है। प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनने के बाद से आदिवासी बच्चे लगातार प्रताड़ित हो रहे है। स्कूलों, आश्रम शालाओं और छात्रावासों में आदिवासी बेटियां सुरक्षित नहीं है। आए दिन दुष्कर्म जैसी घटनाएं हो रही है, लेकिन अपराधी बेखौफ बच निकलते है। गंगालूर के मामले को भी रफा-दफा करने की कोशिश की जा रही है। दल ने स्थानीय लोगों से बातचीत में छात्रावास में निगरानी की भारी कमी, मासिक स्वास्थ्य जांच न होना और बाहरी लोगों की अनियंत्रित आवक-जावक पर गंभीर चिंता जताई। जाँच दल ने गंगालूर पोटा केबिन में पिछले 6 महीनों के सभी बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण रिपोर्ट की जांच करने। पिछले 6 महीनों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच करने। पिछले 6 महीनों की स्कॉलरशिप वितरण की जांच करने। और पिछले 6 महीनों में पोटा केबिन में कौन-कौन मिलने आया करता था, उस विजिटर पंजी की जांच करने की मांग प्रमुखता से रखी है। साथ ही कांग्रेस जाँच दल ने यह भी कहा है कि यदि ये जांचें नहीं हुई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस पार्टी जनसहयोग से आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन छेड़ेगी। जांच दल में संयोजक मंगमा (अध्यक्ष, जिला पंचायत सुकमा) के नेतृत्व में नीना रावतीय उइके (पीसीसी महामंत्री) सुलोचना कर्मा (सदस्य, जिला पंचायत सुकमा) गीता कवासी (सदस्य, जिला पंचायत सुकमा), बबिता मंडावी (पूर्व अध्यक्ष, नगर पंचायत दोरनापाल) पार्वती कश्यप (पूर्व जिला पंचायत सदस्य, बीजापुर), अनिता तेलम (पूर्व अध्यक्ष, जनपद पंचायत उसूर), रिंकी कोरम (अध्यक्ष, नगर पंचायत भोपालपटनम) और पायल हेमला (सरपंच, गंगालूर) शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का यात्री राजस्व अर्जन में कीर्तिमान!

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में यात्री राजस्व अर्जन में उपलब्धि हासिल करते हुए अब तक का सर्वाधिक ऑरिजिनेटिंग पैसेंजर रेवेन्यू अर्जित किया है। 17 मार्च 2026 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्री यातायात से ?1359.04 करोड़ का राजस्व अर्जन किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के ?1330.70 करोड़ के यात्री यातायात से प्राप्त राजस्व अर्जन से अधिक है। यह उपलब्धि न केवल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उत्कृष्ट कार्यप्रणाली को दर्शाती है, बल्कि यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित आंतरिक लक्ष्य ?1348.06 करोड़ को भी पार कर लिया गया है। राजस्व वृद्धि में अनारक्षित श्रेणी के लिए यात्रा का विशेष योगदान रहा है, जिसमें ?55 करोड़ (18.7ब) की वृद्धि दर्ज की गई है, जो भारतीय रेल में सर्वाधिक वृद्धि प्रतिशत में से एक है। वहीं, आरक्षित श्रेणी में यात्रा के लिए ?26 करोड़ (2.8ब) की वृद्धि दर्ज की गई है। कुल मिलाकर ?82 करोड़ (6.6ब) की वृद्धि की तुलना में तथा ?65 करोड़ (5ब) की वृद्धि आनुपातिक लक्ष्य की तुलना में हासिल की गई है। यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्पेशल ट्रेनों का भी सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस दौरान टीओडी (ट्रेन ऑन डिमांड) के तहत 116 ट्रिप (26 आरक्षित ट्रेनें) एवं 36 ट्रिप (8 अनारक्षित ट्रेनें) चलाई गईं । यह उल्लेखनीय उपलब्धि श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा के साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समर्पित कार्यशैली, प्रभावी प्रबंधन तथा यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार का परिणाम है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन, महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के नेतृत्व में, भविष्य में भी यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं उच्च गुणवत्ता की सेवाएं प्रदान करने के लिए सतत प्रतिबद्ध है।

आईटीआई कोनी में एक दिवसीय स्टार्टअप एवं उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिलासपुर। शासकीय आईटीआई कोनी में एक दिवसीय स्टार्टअप एवं उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला उद्योग केन्द्र के प्रबंधक श्री सुनील कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया, जिन्होंने विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कार्यालय द्वारा उद्यमियों को उद्योग स्थापना के प्रत्येक चरण में उपलब्ध सहायता एवं अनुदान संबंधी जानकारी भी दी गई। इसके पश्चात् गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के इन्क्युबेशन सेंटर के सी.ई.ओ. श्री चैतन्य मेहर ने स्टार्टअप के विषय में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में प्रबंधक श्रीमती रेवती लहरे द्वारा औद्योगिक नीति 2024ङ्क30 के संबंध में उपस्थित छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम का संचालन आईटीआई कोनी की प्राध्यापक सुश्री संतोषी कौशिक द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्रभारी प्राचार्य श्री डी. के तिवारी, समस्त स्टाफतथा कुल 257 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

डोंगरगढ में आयोजित नवरात्रि मेला के अवसर पर नेताजी सुभाषचंद बोस (इतवारी) कोरबा-नेताजी सुभाषचंद बोस (इतवारी) के मध्य मेमू स्पेशल ट्रेन का परिचालन

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा माँ बम्लेश्वरी मंदिर, डोंगरगढ में आयोजित नवरात्रि पर्व में आने-जाने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये नेताजी सुभाषचंद बोस (इतवारी) कोरबा - नेताजी सुभाषचंद बोस (इतवारी) के मध्य मेमू स्पेशल गाड़ी का परिचालन किया जा रहा है 7 गाड़ी संख्या 06883/06884 नेताजी सुभाषचंद बोस (इतवारी) कोरबा-नेताजी सुभाषचंद बोस (इतवारी) दिनांक 23 मार्च से 28 मार्च 2026 तक चलेगी गाड़ी संख्या 06883 नेताजी सुभाषचंद बोस (इतवारी) कोरबा मेमू स्पेशल ट्रेन, नेताजी सुभाषचंद बोस (इतवारी) से सुबह 05 बजे रवाना होगी तथा मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये शाम 19.30 बजे कोरबा पहुंचेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 06884 कोरबा-नेताजी सुभाषचंद बोस (इतवारी) मेमू स्पेशल ट्रेन, कोरबा से सुबह 05.10 बजे रवाना होगी तथा मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये शाम 19.30 बजे नेताजी सुभाषचंद बोस (इतवारी) पहुंचेगी

बहुचर्चित नसबंदी कांड में 11 साल 4 महीने बाद आया फैसला, डाक्टर को मिली सजा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित पेंडारी नसबंदी कांड में 11 साल 4 महीने बाद जिला अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. आरके गुप्ता को लापरवाही और गैर-इरादतन हत्या का दोषी पाते हुए 2 साल की कैद और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। उक्त फैसला एडीजे शैलेश कुमार की कोर्ट ने सुनाया है। बता दें कि नवंबर 2014 में जिले के तखतपुर ब्लॉक में नसबंदी शिविर लगा था। जहां सरकारी लक्ष्य को पूरा करने के लिए सिर्फ 3 घंटे के भीतर 83 ऑपरेशन कर दिए गए थे, जिसके बाद 15 माताओं की मौत हो गई थी

महुआ बिनने गई महिला सहित तीन ग्रामीणों पर जंगली सूअर का हमला,क्षेत्र में दहशत....

सूरजपुर। संवाददाता प्रेमनगर विकासखंड के ग्राम रघुनाथपुर में जंगल से लगे इलाकों में महुआ बिनना अब खतरे से खाली नहीं रहा। रोजी-रोटी का यह पारंपरिक काम इन दिनों ग्रामीणों के लिए जान जोखिम में डालने जैसा बन गया है। मंगलवार को सामने आई दो घटनाओं ने पूरे गांव को दहला दिया है। 18 मार्च की सुबह करीब 11 बजे गांव की विद्यावती यादव स्कूल परिसर के पास नर्सरी क्षेत्र में महुआ बिन रही थीं। तभी अचानक झाड़ियों के भीतर से निकले एक जंगली सूअर ने उन पर हमला कर दिया। सब कुछ इतना अचानक हुआ कि वह संभल भी नहीं पाईं। आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाकर किसी तरह सूअर को भगाया, तब जाकर उनकी जान बच सकी। गंभीर रूप से घायल हालत में उन्हें तुरंत प्रेमनगर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। उसी दिन सुबह एक और घटना पंडरी नरवा के पास हुई। फूलों बाई महुआ बिन रही थीं, तभी जंगली सूअर ने उन पर हमला कर दिया और उनकी जांघ में गहरा घाव कर दिया। मां को बचाने दौड़े बेटे सोनू बंजारा को भी सूअर ने नहीं छोड़ा और उनके दोनों हाथों में काट लिया। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। लगातार हुई इन घटनाओं से गांव में डर का माहौल है। लोग अब जंगल जाने से पहले कई बार सोच रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जंगली जानवरों की आवाजाही पहले से ज्यादा बढ़ गई है, लेकिन वन विभाग की ओर से कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही। घटना के बाद गांव में मुनादी भी कराई गई, फिर भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे, जिससे नाराजगी और बढ़ गई है। गांव में तरह-तरह की बातें भी सामने आ रही हैं। कोई सूअर के असामान्य व्यवहार की चर्चा कर रहा है, तो कोई बीमारी की आशंका जता रहा है। ऐसे में लोग मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द सूअर को पकड़कर सुरक्षित जगह ले जाया जाए, ताकि आगे कोई बड़ा हादसा न हो। इस पूरे मामले में हमर उत्थान सेवा समिति ने भी वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। समिति का कहना है कि लगातार घटनाएं हो रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी क्षेत्र में सक्रिय नहीं दिख रहे। समय रहते निगरानी और सुरक्षा के इंतजाम होते तो शायद ऐसी नौबत नहीं आती। समिति ने मांग की है कि इलाके में नियमित गश्त बढ़ाई जाए, जंगली सूअर को पकड़ने की कार्रवाई की जाए और घायलों को उचित मुआवजा व बेहतर इलाज की सुविधा दी जाए।

कलेक्टर ने जनगणना की तैयारियों का लिया जायजा

बिलासपुर। जनगणना 2026-27 के तहत जिले में मकान गणना का कार्य 01 मई से शुरू होने जा रहा है, जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। इसी सिलसिले में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिले के सकरी, नेवसा, रतनपुर एवं रानीगांव क्षेत्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दौरे के दौरान कलेक्टर ने हाउस लिस्टिंग एवं जनसंख्या गणना से संबंधित की जा रही तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक कार्य निर्धारित समय-

सीमा में पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने डिजिटल माध्यम से किए जाने वाले डेटा संकलन की तैयारियों की भी जानकारी ली। उन्होंने फील्ड स्तर पर तैनात कर्मचारियों के प्रशिक्षण, तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता तथा कार्य की निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उन्हें जनगणना के महत्व के बारे में अवगत कराया और इसमें सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना देश के विकास की आधारशिला है, इसमें दी गई प्रत्येक जानकारी भविष्य की योजनाओं को दिशा देती है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनजागरूकता गतिविधियों को और तेज किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस प्रक्रिया में सहभागिता निभा सकें।

थार का सपना बना अपराध की वजहःनाबालिगों ने रची 15 तोला सोना चोरी की साजिश,5 गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर के सरकंडा थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां महंगी गाड़ी खरीदने के शौक ने नाबालिगों को अपराध की राह पर धकेल दिया। थार गाड़ी लेने के लिए दोस्तों के एक समूह ने अपने-अपने घरों से सोना चोरी करने की योजना बनाई, जिसमें एक रिटायर्ड सैनिक का परिवार भी शिकार बना। जानकारी के मुताबिक, बहतराई निवासी रिटायर्ड सेना जवान सुशील कुमार शर्मा के घर से करीब 15 तोला सोना धीरे-धीरे गायब किया गया। इस चोरी के पीछे उनके ही बेटे और उसके दोस्तों की साजिश निकली। दोस्तों ने पहले उसे उकसाया और फिर खुद नकली जेवर दिखाकर उससे असली गहने चोरी करवा लिए।

जब चोरी किया गया सोना थार खरीदने के लिए पर्याप्त नहीं हुआ, तो आरोपियों ने पैसे खर्च कर दिए और फिर दोबारा सोना लाने का दबाव बनाने लगे। इतना ही नहीं, पीड़ित लड़के को धमकाकर और मारपीट कर ब्लैकमेल भी किया गया। परिवार को शक होने पर मामला पुलिस तक पहुंचा। जांच में सामने आया कि चोरी के जेवर स्थानीय लोगों और एक ज्वेलरी व्यवसायी को बेचे गए थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिगों समेत कुल पांच आरोपियों को हिरासत में लिया और करीब 15 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने बरामद किए। इस मामले में कुछ रसूखदार परिवारों के बच्चों के शामिल होने की भी बात सामने आई है, जिससे यह घटना और भी गंभीर हो गई है। पुलिस फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है और मामले की गहराई से जांच जारी है।

सदियों पुरानी परंपराः झिलमिली स्टेट के चौहान राजपरिवार ने किया कुलदेवी का प्रथम पूजन....

■ नवरात्र के पहले दिन राजपरिवार ने निभाई पारंपरिक रीति, नौ दिनों तक विशेष श्रृंगार पूजा होगी

सूरजपुर संवाददाता - ओडगी:-- चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर सदियों से चली आ रही धार्मिक परंपरा का निर्वहन करते हुए झिलमिली स्टेट के चौहान राजपरिवार द्वारा अपने कुलदेवी का प्रथम पूजन पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न किया गया। नवरात्र के प्रथम दिवस आयोजित इस विशेष पूजा-अर्चना में राजपरिवार के प्रमुख सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और मां से क्षेत्र की सुख-समृद्धि

की कामना की। प्रथम दिवस के प्रथम पूजा में अखिलेश प्रताप सिंह देव, दीपेंद्र प्रताप सिंह देव, कुंवर योगेंद्र प्रताप सिंह देव, अभय विक्रम प्रताप सिंह देव, शशांक प्रताप सिंह, शांतनु सिंह तथा रितेश प्रताप सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और पूरे विधि-विधान से मां की पूजा-अर्चना की। परंपरा के अनुसार सबसे पहले राजपरिवार द्वारा ही कुलदेवी की पूजा की जाती है, जिसके बाद ही आम श्रद्धालुओं के लिए पूजा-अर्चना का क्रम प्रारंभ होता है। बताया जाता है कि यह परंपरा वर्षों से लगातार चली आ रही है और आज भी राजपरिवार इसे पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ निभा रहा है। नवरात्र के पूरे नौ दिनों तक राजपरिवार के सदस्य विशेष श्रृंगार पूजा करते हैं। प्रतिदिन मां का अलग-अलग रूपों में श्रृंगार कर विशेष अनुष्ठान संपन्न किए जाते हैं। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्ति का माहौल बना रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी दर्शन के लिए पहुंचे। इस धार्मिक परंपरा के निर्वहन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और आस्था का माहौल देखने को मिला तथा श्रद्धालुओं ने इसे अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी एक महत्वपूर्ण परंपरा बताया।

श्री साईं राम पब्लिक स्कूल के 4 विद्यार्थियों ने लहराया परचम, नवोदय प्रवेश परीक्षा में हुए सफल

रामानुजनगर। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता को सिद्ध करते हुए श्री साईं राम पब्लिक स्कूल, रामानुजनगर के चार मेधावी विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित जवाहर नवोदय विद्यालय (JNV) की प्रवेश परीक्षा में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। एक साथ चार विद्यार्थियों के चयन से न केवल विद्यालय परिवार, बल्कि पूरे रामानुजनगर क्षेत्र में हर्ष की लहर दौड़ गई है। सफलता के चमकते सितारे विद्यालय के जिन होनहार विद्यार्थियों ने इस कठिन परीक्षा में अपनी जगह पक्की की है, उनके नाम इस प्रकार हैं: दिव्यांश साहू: सुपुत्र श्री योगेश साहू एवं श्रीमती गीता साहू। अंशिका सूर्यवंशी: सुपुत्री श्री कृष्णा सूर्यवंशी एवं श्रीमती रंजीता सूर्यवंशी। अदिति सिंह: सुपुत्री श्री रविनारायण सिंह एवं श्रीमती लक्ष्मी सिंह। निधि सिंह: सुपुत्री श्री संजय सिंह एवं श्रीमती इमला सिंह। इन विद्यार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासित जीवन और गुरुजनों के सटीक मार्गदर्शन के दम पर इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को प्राप्त किया है। स्थानीय अभिभावकों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने बच्चों को उनकी इस उपलब्धि पर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। **प्रधान पाठक की बाइट** इस शानदार उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यालय के प्रधान पाठक श्री गौरव मिश्रा ने कहा यह हमारे विद्यालय के लिए गौरवशाली उपलब्धि का क्षण है। हमारे चार बच्चों—दिव्यांश, अंशिका, अदिति और निधि—का नवोदय विद्यालय के लिए चयनित होना उनकी प्रतिभा और शिक्षकों के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। ग्रामीण अंचल के इन बच्चों ने यह साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो कोई भी मंजिल कठिन नहीं है। मैं इन सभी विद्यार्थियों और उनके माता-पिता को हार्दिक बधाई देता हूँ। श्री साईं राम पब्लिक स्कूल हमेशा से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उन्हें श्रेष्ठ शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे विश्वास है कि ये बच्चे नवोदय में जाकर भी विद्यालय और अपने माता-पिता का नाम इसी तरह रोशन करेंगे।

पत्रकारों के हित लिए अग्रणी रहने वाला संगठन छग श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ शशांक दुबे

सूरजपुर संवाददाता/ पत्रकारों और पत्रकारिता के क्षेत्र में विभिन्न अवसरों विशेष/समस्याओं में लगातार अग्रणी रहते हुए उचित सामूहिक निर्णय लेने वाले संगठन छ.ग श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ जिसका पंजीयन क्रमांक 411 है जहां वर्तमान कार्यकारिणी का निर्वाचन बिलासपुर में सैकड़ों सदस्य पत्रकारों की उपस्थिति में बेहद ही सादगी और अनुशासित तरीके से पूरा किया जा चुका है, जिसमें दुर्ग जिला से व विभिन्न न्यूज़ चैनलों और दैनिक अखबारों के क्षेत्र में पिछले लगभग 24 वर्षों से अनवरत सेवाएं दे रहे टीवी24 के ब्यूरो सुबोध तिवारी प्रदेश अध्यक्ष के पद पर चुने गए हैं,, साथ ही प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष के दो पदों पर महेश तिवारी व कृष्णा सिंह बाबा उपाध्यक्ष के दो पदों पर राजेश मोदी व अभिषेक शर्मा , कोषाध्यक्ष के पद पर राधेश्याम कोरी , संगठन

सचिव डॉ अजय चक्रधारी, सचिव अनिल आहूजा, संयुक्त सचिव प्रीति सरू का चयन संघ के पत्रकारों द्वारा किया गया है,, समस्त पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन चुनाव अधिकारी विनोद सिंह ठाकुर एवं प्रदेश महासचिव शशांक दुबे की उपस्थिति में 22/2/2026 को लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत बिलासपुर में संपन्न कराया गया। वहीं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संतोष साहू, नंदलाल मिश्रा, उमेश वशिष्ठ, ओमप्रकाश साहू, गणेश केवट, अनिल रात्रे, संजीव पांडे, नंदलाल यादव, विवेकानंद पांडे, बास्को ठाकुर, सीता टंडन सहित 27 पदों पर टीम बनाई गई है। अगली प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार भी बहुत जल्द किया जाएगा। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत निर्वाचन प्रक्रिया से निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष एवं पदाधिकारी की सूची श्रम आयुक्त कार्यालय रायपुर में कार्यकारिणी द्वारा स्वयं व ई फॉर्म के रूप में सूचीबद्ध कर विधिवत जमा कर दी गई है। वर्तमान में कुछ विघ्न संतोषी तत्व जो छ ग श्रमजीव पत्रकार कल्याण संघ की नवीन कार्यकारिणी घोषणा के बाद पदाधिकारी नहीं रह गए हैं एवं विधिवत कोई रिकॉर्ड श्रम आयुक्त कार्यालय में नहीं है। जैसे सदस्यों की बैठक लेकर प्रदेश महासचिव की अनुपस्थिति में प्रदेश कार्य समिति को भंग कर तदर्थ समिति का गठन करना जिसका उल्लेख संघ के बायलाज में ही नहीं है। जैसे असवैधानिक कार्यवाही कर बी डी निजामी के द्वारा अपने निजी स्वार्थ के लिए पत्रकार साथियों को भ्रमित कर असवैधानिक बैठकें लेकर नए प्रदेश अध्यक्ष चुनाव करने की प्रक्रिया अपनाई जा रही हैं। जो पूर्णता असवैधानिक है। जिसकी सूचना श्रम आयुक्त कार्यालय को दी जा चुकी हैं। आप सभी पत्रकार साथी बुद्धिजीवी वर्गों के श्रेणी में आते हैं उनके इस कार्रवाई में शामिल होने के पहले छ ग श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के बायलाज का अवलोकन कर ले। बैठक आयोजित कर रहे हैं। या जो कार्रवाई कर रहे हैं। वह कितना संवैधानिक है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व महासचिव बी डी निजामी वर्ष 2012 से लेकर 2025 तक अधिकांश समय प्रदेश अध्यक्ष महासचिव के रूप में कार्य किया गया परंतु अपने कार्यकाल में उनके द्वारा 2015 के बाद से 2025 तक श्रम युक्त कार्यालय को किसी भी प्रकार के दस्तावेज जमा नहीं किए गए संघ के आय व्यय की जानकारी नहीं दी गई ऑडिट रिपोर्ट पेश नहीं किया गया श्रम आयुक्त कार्यालय के द्वारा चाही गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।

नवरात्रि की द्वितीय देवी मां ब्रह्मचारिणी की होती है पूजा

चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन, यानी 20 मार्च 2026 को मां दुर्गा के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है. 'ब्रह्म' का अर्थ है तपस्या और 'चारिणी' का अर्थ है आचरण करने वाली. मां का यह रूप हमें सिखाता है कि कठिन संघर्षों के समय भी अपने पथ से विचलित नहीं होना चाहिए. इनकी उपासना करने से व्यक्ति के भीतर अटूट साहस और संयम आता है. यदि आपके व्यवसाय या जीवन के संचालन में बार-बार बाधाएं आने की आशंका बनी रहती है, तो मां ब्रह्मचारिणी की पूजा आपके आत्मविश्वास को नई दिशा देगी और आपकी बड़ी इच्छाएं पूरी करने का बल प्रदान करेगी.

मां ब्रह्मचारिणी की पूजा का शुभ समय

चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन पूजा के लिए सुबह का समय अत्यंत लाभकारी है. 20 मार्च 2026 को आप सूर्योदय के बाद अपनी सुविधा अनुसार पूजन कर सकते हैं. विशेष कार्यों की सिद्धि के लिए इस दिन अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:05 से दोपहर 12:53 तक रहेगा. इस शुभ समय में की गई प्रार्थना विशेष फलदायी मानी जाती है. सही मुहूर्त में मां का ध्यान करने से मानसिक शांति मिलती है और भविष्य की चिंताओं से मुक्ति की संभावना बनती है. इस शुभ घड़ी में की गई पूजा घर में बरकत लाती है और परिवार के सदस्यों के बीच सहजता को बढ़ावा देती है.

पूजा विधि:

स्नान व शुद्धि: प्रातः जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थान पर गंगाजल छिड़क कर उसे पवित्र करें।

आवाहन व ध्यान: सबसे पहले कलश देवता और गणेश जी की पूजा करें। इसके बाद हाथ में फूल और अक्षत लेकर माँ ब्रह्मचारिणी का ध्यान करें।

पंचामृत स्नान: माँ की प्रतिमा या चित्र को पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, चीनी का मिश्रण) से प्रतीकात्मक स्नान कराएं।

अर्पण: माँ को गंध, अक्षत, पीले फूल और सिंदूर अर्पित करें।

विशेष भोग: माँ ब्रह्मचारिणी को शक्कर या मिश्री का भोग लगाएं। मान्यता है कि इससे लंबी आयु और सौभाग्य का वरदान मिलता है।

कन्या भोज- इस दिन ऐसी कन्याओं का पूजन किया जाता है कि जिनका विवाह तय हो गया है लेकिन अभी शादी नहीं हुई है। इन्हें अपने घर बुलाकर पूजन के पश्चात भोजन कराकर वस्त्र, पात्र आदि भेंट किए जाते हैं।

मां ब्रह्मचारिणी की पूजा का मंत्र:

पूजा मंत्र: "ऊँ देवी ब्रह्मचारिण्यै नम:॥
बीज मंत्र- ह्रीं श्री अम्बिकायै नम:।
जप मंत्र: ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं ब्रह्मचारिण्यै नम:।
"ध्यान मंत्र:
दधाना करपद्माभ्यामक्षमाला कमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

पूजा का समापन: अंत में माँ की आरती करें और अपनी भूल-चूक के लिए क्षमा प्रार्थना करें। आरती के बाद प्रसाद को परिवार के सभी सदस्यों में बांट दें।

नवरात्रि के दूसरे दिन कौन से रंग के कपड़े पहनने चाहिए?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्रि के प्रत्येक दिन का एक खास रंग होता है। जिसे धारण करने से माता रानी की खास कृपा प्राप्त होती है। 20 मार्च 2026 को चैत्र नवरात्रि का दूसरा दिन है। ऐसे में हर किसी के मन में ये सवाल है कि इस दिन कौन से रंग के कपड़े पहनना शुभ रहेगा। अलग-अलग वेबसाइट पर नवरात्रि के रंगों से जुड़ी अलग-अलग जानकारी देखने को मिल रही है। ऐसे में ये कन्फ्यूजन काफी ज्यादा बढ़ गई है कि नवरात्रि में किस दिन कौन से रंग के कपड़े पहनें। इसलिए हम आपके लिए लेकर आए हैं ये खास आर्टिकल, जिसमें हम आपको नवरात्रि के दूसरे दिन का शुभ रंग तो बताएंगे ही साथ ही अन्य दिनों के रंगों की भी जानकारी देंगे।

नवरात्रि के दूसरे दिन का रंग

हरा – नवरात्रि के दूसरे दिन का रंग हरा है। ये रंग प्रकृति, विकास, शान्ति और स्थिरता का प्रतीक है। शुक्रवार को इस रंग का उपयोग करने से देवी की खास कृपा प्राप्त होगी। हरा रंग नई शुरुआत का भी प्रतीक होता है।

नवरात्रि के अन्य दिनों के शुभ रंग

नवरात्रि के तीसरे दिन का रंग - स्लेटी
नवरात्रि के चौथे दिन का रंग - नारंगी
नवरात्रि के पांचवें दिन का रंग - सफेद
नवरात्रि के छठे दिन का रंग - लाल
नवरात्रि के सातवें दिन का रंग - गहरा नीला
नवरात्रि के आठवें दिन का रंग - गुलाबी
नवरात्रि के नौवें दिन का रंग - बैंगनी

सुबह खाली पेट कौन से फल नहीं खाने चाहिए

फल खाने के अपने कई फायदे हैं. हर व्यक्ति को किसी न किसी फल को अपनी डाइट में शामिल जरूर करना चाहिए. लेकिन ये ध्यान रखना भी जरूरी है कि फलों को कब और कैसे खाना चाहिए. कुछ लोग रात को भी फल खाते हैं तो कई लोग सुबह खाली पेट फल खाना हेल्दी मानते हैं, लेकिन क्या सुबह खाली पेट हर तरीके के फल खाए जा सकते हैं? इस बारे में डायटिशियन से जानते हैं. सुबह खाली पेट फल खा सकते हैं, लेकिन कुछ ऐसे फल हैं जिनको कभी भी खाली पेट नहीं खाना चाहिए. ऐसा इसलिए क्योंकि ये फल फायदे की जगह नुकसान कर सकते हैं. इनको सुबह खाने से एसिडिटी, गैस की समस्या हो सकती है. कुछ लोगों को पाचन संबंधी समस्या भी होने का रिस्क रहता है.

सुबह खाली पेट खट्टे फल खाने से बचें

सुबह खाली पेट खट्टे फल खाने से बचना चाहिए, जैसे संतरा, खट्टे फलों में सिट्रिक एसिड अधिक होता है. इससे पेट में एसिड बढ़ सकता है, जिससे अपच से लेकर गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है. जिन लोगों को पहले से गैस्ट्रिक समस्या है, उन्हें खास सावधानी रखनी चाहिए. ऐसे लोगों में खट्टा फल खाने से पाचन की समस्या और भी बढ़ सकती है.

केला – वैसे तो केले में काफी एनर्जी होती है. इसको हमेशा खाने के कुछ घंटे बाद खाना चाहिए. कभी भी केला खाली पेट नहीं खाएं. ऐसा इसलिए क्योंकि खाली पेट खाने पर इसमें मौजूद मैग्नीशियम और प्राकृतिक शुगर शरीर में असंतुलन पैदा कर सकते हैं. केला खाने से शरीर में शुगर लेवल भी तेजी से बढ़ सकता है. इसी तरह आम को भी कभी खाली पेट नहीं खाना चाहिए.

तेज धूप और गर्मी में ऐसे रखें त्वचा का ख्याल

मौसम चाहे कोई भी हो, अपनी त्वचा पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी है. गर्मियों के महीनों में अपनी त्वचा की देखभाल करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है. तेज गर्मी और पसीने के कारण त्वचा से जुड़ी कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं. हालांकि, विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि इस समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए. अपनी त्वचा की सुंदरता बनाए रखने के लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है. इसी कारण, विशेषज्ञ ऐसी सावधानियां बरतने की सलाह देते हैं जो केवल सनस्क्रीन लोशन लगाने से कहीं बढ़कर हैं. तो आइए, जानते हैं कि आप गर्मियों के मौसम में हम अपनी त्वचा की देखभाल कैसे कर सकते हैं...

वाटर बेस्ड सीरम का करें इस्तेमाल :- विशेषज्ञों के अनुसार, गर्मियों के मौसम में वाटर बेस्ड सीरम का इस्तेमाल करना (चाहे वह मेकअप रूटीन का हिस्सा हो या स्किनकेयर रूटीन का) बेहद फायदेमंद होता है. विशेषज्ञ बताते हैं कि ये सीरम न केवल त्वचा की गहरी परतों तक पहुंचते हैं, बल्कि उसे भरपूर पोषण भी देते हैं, जिससे स्किन हेल्दी और चमकदार नजर आती है. इसलिए, विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्किन को हाइड्रेटेड रखते हुए झुर्रियों और फाइन लाइन्स को रोकने में भी मदद करता है.

स्क्रबिंग के लिए नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करें :- तेज धूप के कारण लोगों को बहुत ज्यादा पसीना आता है. बहुत सी महिलाओं को लगता है कि सिर्फ चेहरा पोंछ लेने से ही डेड स्किन और गंदगी हट जाएगी. लेकिन, विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसा नहीं होता है. विशेषज्ञ बताते हैं कि असल में पसीने की वजह से त्वचा पर और भी ज्यादा गंदगी और धूल जमा हो जाती है. इसलिए, समय-समय पर स्क्रबिंग करके त्वचा को साफ करते रहना चाहिए. साथ ही, इस काम के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले प्रोडक्ट्स के मामले में भी सावधानी बरतने चाहिए. बेहतर यही है कि जहां तक हो सके, नेचुरल चीजों का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए.

सनस्क्रीन लगाना बेहद जरूरी है

:-विशेषज्ञों के अनुसार, इस मौसम में किसी भी समय बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लोशन लगाना बहुत जरूरी होता है. आपको SPF वाला ऐसा सनस्क्रीन लोशन इस्तेमाल करना चाहिए जो आपकी त्वचा के प्रकार के लिए सही हो. अगर आपको धूप में ज्यादा समय बिताना पड़ता है, तो आपको हर दो घंटे में दोबारा सनस्क्रीन लगानी चाहिए.

गर्मी के मौसम में लाइट मेकअप ही करें :- विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मियों में चाहे कोई भी अवसर हो, जितना हो सके उतना ही कम मेकअप करना अच्छा फेस के लिए फायदेमंद होता है. इसके साथ ही इस मौसम में ऑयली प्रोडक्ट से भी बचना चाहिए. फाउंडेशन लगाने की आदत रखने वालों को बेहतर फिनिशिंग के लिए फाउंडेशन के बाद थोड़ा पाउडर लगाने की सलाह दी जाती है. होंठों की सुरक्षा के लिए लिप बाम लगाने की भी सलाह दी जाती है. इसके अलावा, गर्मियों में हेवी आई मेकअप, कंसीलर और ब्लश से बचना चाहिए.

आज का राशिफल

मेष राशि - आज कानूनी मामलों के कारण तनाव रह सकता है. निवेश करने से पहले गंभीरता से सोचें, कुछ सहकर्मी आपकी कार्यशैली से नाखुश हो सकते है, लेकिन वे सीधे नहीं बताएंगे. नए विचार फायदेमंद साबित होंगे. कार्यक्षेत्र में नए विचार सफलता देंगे. योजनाबद्ध निवेश लाभदायक रहेगा. परिवार और मित्रों का सहयोग मिलेगा. तनाव से बचें, मानसिक शांति बनाए रखें.

वृषभ राशि - आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा. सोचे हुए सभी काम पूरे होंगे. बिजनेस में निवेश लाभ देगा. किसी कन्या को कपड़े दान कर उनका आशीर्वाद लें. कार्य सफल होंगे, व्यर्थ के झगड़ों से बचें. निवेश लाभकारी रहेगा. पारिवारिक सहयोग मिलेगा.

मिथुन राशि - आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप बेहतर महसूस करेंगे. अनुभवी लोगों की सलाह पर निवेश लाभकारी रहेगा. घरेलू मामलों पर ध्यान दें. साझेदारी के अच्छे अवसर हैं, सोच-समझकर कदम बढ़ाएं. खर्चों में सावधानी रखें. परिवार और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. मानसिक संतुलन बनाए रखें.

कर्क राशि - आज आपको अपना सच्चा प्यार मिलने की संभावना है. नौकरीपेशा लोगों के लिए बाहरी अवसर मिल सकते हैं. पैसों को लेकर सावधानी जरूरी है. कार्यक्षेत्र में शोहरत बढ़ेगी. वित्तीय मामलों में सतर्क रहें. पारिवारिक सहयोग मिलेगा. चोट या स्वास्थ्य संबंधी सावधानी रखें.

सिंह राशि - आज मेहनत के जरिए परिवार की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे. बिजनेस या मीडिया से जुड़े लोग नए अवसर पा सकते हैं। नए काम की शुरुआत लाभकारी रहेगी. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. जीवनसाथी के साथ समय अच्छा बीतेगा. सामान्य रहेगी.

कन्या राशि - आज खाली समय का आनंद लें. वित्तीय लेन-देन में सावधानी जरूरी है. दफ्तर का माहौल चुनौतीपूर्ण हो सकता है. कार्यक्षेत्र में सतर्कता रखें. आय-व्यय में संतुलन बनाए रखें. परिवार का सहयोग मिलेगा. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा.

तुला राशि-आज सभी कार्य सफल रहेंगे. पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है. कार्यक्षेत्र में सावधानी रखें. कार्य में सफलता और सम्मान मिलेगा. पैतृक लाभ संभव है. जीवनसाथी और परिवार का सहयोग मिलेगा.

वृश्चिक राशि – आज का दिन मिला-जुला रहेगा. जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद होगी. वित्तीय फैसले सोच-समझकर लें. कार्यालय में सतर्कता जरूरी है. बड़े फैसले सोचकर लें. परिवार और रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा.

धनु राशि- आज अच्छा पैसा कमाने के अवसर मिलेंगे, लेकिन खर्च भी बढ़ेंगे. मित्र और रिश्तेदार मदद करेंगे. नई सोच लाभदायक रहेगी. बचत पर ध्यान दें. विवादित मुद्दों से बचें.सामान्य रहेगा.

मकर राशि - आज सफलता पाने के लिए मेहनत और सतर्कता जरूरी है. सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों को पहचान मिलने के संकेत हैं. कार्यक्षेत्र में संघर्ष होगा, पर परिणाम अच्छे रहेंगे. आकस्मिक खर्चों से सतर्क रहें. परिवार का सहयोग मिलेगा.

कुंभ राशि- आज किस्मत आपके साथ है. व्यापारिक परेशानियां खत्म होंगी. क्रिएटिविटी से लोग प्रभावित होंगे. नए बिजनेस अवसर लाभदायक रहेंगे. आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी. परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा. शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें.

मीन राशि- आज आपकी रचनात्मकता लाभ दे सकती है. व्यापारिक क्षेत्र जैसे हीरा, कोयला, चूना आदि लाभ देंगे. अचानक आई जिम्मेदारी को संभालें, अवसरों का लाभ मिलेगा. वित्तीय स्थिति सामान्य रहेगी. दांपत्य जीवन संतुलित रहेगा. स्वास्थ्य पर ध्यान दें.

– ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

झटपट बनाएं ये स्वादिष्ट 'हरा भरा कबाब'

फ कबाब का नाम सुनते ही लोगों के मन में सबसे पहले नॉन वेज का ख्याल आता है, लेकिन अगर आप शाकाहारी हैं, तो भी इस डिश का स्वाद ले सकते हैं। वेज कबाब खाने में बेहद स्वादिष्ट होता है और वेजिटेरियन्स को काफी पसंद भी है। चाहे किसी पार्टी में स्टार्टर की तरह सर्व करना हो या फिर घर पर स्नैक्स की तरह खाने हो, वेज कबाब हर मौके के लिए परफेक्ट है। खास बात यह है कि इन्हें बनाना भी काफी आसान है। आइए जानें घर पर कैसे बनाएं हरा भरा वेज कबाब।

सामग्री

2 मध्यम आकार के उबले हुए आलू, 1 कप कद्दूकस की हुई फूलगोभी, कप बारीक कटी बीन्स, कप उबले हुए मटर, 1 कप बारीक कटा हुआ पालक, बाइंडिंग के लिए- 3 बड़े चम्मच बेसन (भुना हुआ) या ब्रेड क्रम्ब्स, मसाले- 1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 बारीक कटी हरी मिर्च, 1 चम्मच चाट मसाला, चम्मच गरम मसाला, चम्मच भुना जीरा पाउडर और स्वादानुसार नमक, बारीक कटा हरा धनिया, तलने के

बनाने की विधि

सबसे पहले पालक को उबलते पानी में 2 मिनट के लिए डालें और फिर तुरंत ठंडे पानी में डाल दें। फिर इसका पानी निचोड़कर बारीक काट लें। ध्यान रखें कि पालक का सारा पानी निकाल दें, वरना कबाब टूट सकते हैं। अब उबले हुए मटर को हल्का मैश कर लें और उबले हुए आलू को कद्दूकस कर लें ताकि कबाब में कोई गांठ न रहे। इसके बाद एक बड़े बाउल में मैश किए हुए आलू, मटर, कटा हुआ पालक, गोभी और बीन्स डालें। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च, धनिया पत्ती और सभी सूखे मसाले डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण में भुना हुआ बेसन या ब्रेड क्रम्ब्स डालें। बेसन नमी को सोख लेता है और कबाब को टूटने से बचाता है। इसे अच्छी तरह गूंथ लें जैसे आटा गूंथते हैं। अगर मिश्रण ज्यादा गीला लगे, तो थोड़ा और बेसन मिलाया जा सकता है। अब अपनी हथेलियों पर थोड़ा सा तेल लगाएं और मिश्रण का छोटा हिस्सा लेकर उसे गोल टिक्की का आकार दें। अब एक नॉन-स्टिक पैन में 2-3 चम्मच तेल गरम करें। कबाब को मध्यम आंच पर पैन में रखें। इन्हें दोनों तरफ से सुनहरा भूरा होने तक सेकें। ध्यान रहे कि आंच तेज न हो, वरना कबाब बाहर से जल जाएंगे और अंदर से कच्चे रह जाएंगे। कबाब जब पक जाएं, तो इन्हें पुदीने की तीखी चटनी और लच्छेदार प्याज के साथ सर्व करें।

रोज पिएं पुदीने के पत्तों का पानी

हरे रंग के ये पत्ते पुदीने के पत्ते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पुदीने के पत्ते आपकी सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। अगर आप अपनी गट हेल्थ को सुधारना चाहते हैं, तो आप पोषक तत्वों से भरपूर पुदीने के पत्तों का पानी पीना शुरू कर सकते हैं। आज हम आपको पुदीने के पत्तों का पानी पीने के कुछ जबरदस्त फायदे और सेहत के लिए वरदान इस नेचुरल ड्रिंक को बनाने के बेहद आसान तरीके के बारे में बताएंगे।

गैस-ब्लोटिंग से मिल सकती है राहत- अगर आप अक्सर गैस, कब्ज और एसिडिटी जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से परेशान रहते हैं, तो पुदीने के पत्तों का पानी आपके लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। मिंट वॉटर में मौजूद तत्व गैस, कब्ज, ब्लोटिंग और एसिडिटी से राहत दिलाने में कारगर साबित हो सकते हैं। गर्मियों के मौसम में अक्सर ठंडी तासीर वाली इस ड्रिंक का सेवन करने की सलाह दी जाती है।

पुदीने का पानी पीने के फायदे- गर्मियों में शरीर के तापमान को संतुलित रखने के लिए और लू से बचाव के लिए पुदीने का पानी पी सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पुदीने का पानी आपकी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में भी असरदार साबित हो सकता है। अगर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को तेज कर वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो पुदीने के पानी को अपने डाइट प्लान में शामिल कर सकते हैं।

कैसे बनाएं औषधीय गुणों से भरपूर ड्रिंक- सबसे पहले एक लीटर पानी निकाल लीजिए। अब इस पानी में 10-15 फ्रेश पुदीने की पत्तियां डालिए। पुदीने के पानी के टेस्ट को बढ़ाने के लिए आप इसमें थोड़ा सा नींबू का रस, अदरक या फिर काला नमक भी एड कर सकते हैं। कुछ घंटे के लिए या फिर रात भर के लिए पुदीने की पत्तियों को पानी में भीगा हुआ रहने दीजिए। अगले दिन आप इस पानी को थोड़ा-थोड़ा करके पी सकते हैं।

वजन घटाने के लिए क्या रनिंग से बेहतर होती है वॉकिंग?

कौन है ज्यादा असरदार

वेट लॉस के लिए दो तरीके सबसे ज्यादा पॉपुलर हैं. वो है रनिंग और वॉकिंग. लेकिन सवाल ये है कि दोनों में से कौन सा तरीका जल्दी और अच्छा रिजल्ट देता है. अगर आप भी इस सवाल का जवाब चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है. चलिए जानते हैं रनिंग और वॉकिंग में कौन है बेहतर?

वजन घटाने के लिए रनिंग या वॉकिंग?

जर्नल ऑफ ओबेसिटी अध्ययन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, रनिंग करने वाले लोगों में समान दूरी तय करने पर वॉकिंग करने वालों की तुलना में ज्यादा तेजी से वजन और बॉडी फैट कम होता है. यानी अगर आप कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करना चाहते हैं, तो रनिंग ज्यादा असरदार मानी जाती है. लेकिन दूसरी तरफ, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिपोर्ट के अनुसार, 70 किलो वजन वाला व्यक्ति 30 मिनट की रनिंग में लगभग 300 कैलोरी बर्न करता है, जबकि उसी समय की तेज वॉकिंग में करीब 140 से 160 कैलोरी ही बर्न होती है. इससे साफ है कि रनिंग की इंटेंसिटी ज्यादा होती है और वह जल्दी रिजल्ट दे सकती है.

दोनों में कौन है ज्यादा असरदार?

रनिंग और वॉकिंग में से वजन घटाने के लिए किसे चुना जाए ये कहना मुश्किल है, क्योंकि दोनों के अपने अलग फायदे और रिजल्ट हैं. जैसे कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करनी है या फास्ट वेट लॉस चाहिए तो रनिंग एक बेहतर ऑप्शन है. लेकिन वहीं अगर आप धीरे-धीरे वजन कम करना चाहते हैं और कंसटेंट रहना चाहते हैं तो वॉकिंग करना अच्छा है. यानी आपको कौन सा तरीका अपनाना है ये पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करता है कि आप आप कितनी नियमितता से और कितनी देर तक एक्सरसाइज करते. यानी अगर आप रोज 45 से 60 मिनट तेज वॉकिंग करते हैं, तो आप उतनी ही कैलोरी बर्न कर सकते हैं जितनी कम समय की रनिंग से होती है.

दुर्ग में खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई : रसमड़ा के 'पापुसा गैस' प्लांट पर छापा, 599 सिलेंडर और भारी मात्रा में LPG जब्त

दुर्ग। जिले में घरेलू गैस आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। जिला खाद्य विभाग की टीम ने रसमड़ा स्थित बोरई इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर में संचालित पापुसा गैसेस प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट पर अचानक दबिश दी। इस कार्रवाई में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर हुई हैं, जिसके बाद विभाग ने 599 सिलेंडर और करीब 2841 किलोग्राम एलपीजी जब्त कर ली है।

जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि कंपनी द्वारा समानांतर विपणन प्रणाली के तहत गैस सिलेंडरों की सप्लाई की जा रही थी। प्लांट में कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड के दो ब्रांड– 'गो गैस' और 'गैस प्लाइट' के सिलेंडर डीलरों के माध्यम से बांटे जा रहे थे। मौके पर मौजूद 3 बुलेट टैंकों में 2841 किलो गैस भंडारित मिली।

खाद्य विभाग की टीम ने पाया कि प्लांट में सिलेंडरों पर पेंटिंग, नेट वेट, टेयर वेट और एक्सपायरी डेट लिखने का काम तो चल रहा था, लेकिन इसके लिए आवश्यक वैध दस्तावेज मौके पर नहीं मिले। इसके अलावा:

स्टॉक रजिस्टर और मौके पर मौजूद वास्तविक स्टॉक में भारी अंतर पाया गया।

'अतुल रबर' नामक डीलर को सप्लाई का दावा किया गया, लेकिन कोई अनुबंध या एग्रीमेंट पेश नहीं किया जा सका।

अनिवार्य रेटिंग प्रमाण पत्र और स्टॉक-कीमत डिस्प्ले बोर्ड भी नदारद मिले।

प्रशासन के अनुसार, यह कार्रवाई 'द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश 2000' के प्रावधानों के तहत की गई है। बिना अनुमति एलपीजी व्यापार और स्टॉक संधारण में लापरवाही बरतने के कारण पूरी खेप को जब्त कर लिया गया है।

खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया ने बताया कि जिले में गैस आपूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने के लिए यह अभियान जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाली एजेंसियों और अवैध भंडारण करने वालों के खिलाफ आगे भी कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

शिवनाथ को प्रदूषण मुक्त करने की बड़ी पहल: उरला में 129 करोड़ की लागत से बनेगा मेगा ट्रीटमेंट प्लांट

दुर्ग। शहर की जीवनदायिनी शिवनाथ नदी को गंदगी से बचाने के लिए नगर निगम ने अब तक के सबसे बड़े प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। उरला क्षेत्र में 129 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (स्वक) का निर्माण किया जाएगा, जो शंकर नाला और पुलगांव नाला के दूषित पानी को शुद्ध कर नदी में छोड़ेगा।

महापौर ने किया स्थल निरीक्षण– परियोजना को गति देने के लिए महापौर अलका बाघमार ने उरला स्थित प्रस्तावित निर्माण स्थल का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा जल्द ही इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमिपूजन किया जाना है, इसलिए सीमांकन (मार्किंग) और भूमि सुरक्षा जैसी सभी तैयारियां तत्काल पूर्ण करें।

चेन्नई की कंपनी को मिला वर्क ऑर्डर– लगभग 5 एकड़ में फैलने वाले इस प्रोजेक्ट के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। राज्य शासन की मंजूरी के बाद चेन्नई की एक कंपनी को कार्य का वर्क ऑर्डर जारी कर दिया गया है। नगर निगम प्रशासन इसे शहर के विकास की दिशा में अब तक का सबसे महत्वपूर्ण कदम मान रहा है।

दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में होगा भूमिपूजन– इस मेगा प्रोजेक्ट के भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव, कैबिनेट मंत्री व शहर विधायक गजेंद्र यादव, और सभापति श्याम शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। इस प्लांट के शुरू होने से शिवनाथ नदी में गिरने वाले नालों के गंदे पानी पर पूरी तरह ब्रेक लग जाएगा।

उत्कृष्ट कार्य हेतु सामाजिकजनों का सम्मान तुमडीबोड में कर्मा जयंती समारोह आयोजित

डोंगरगांव नगर। तहसील क्षेत्र के ग्राम साहू समाज तुमडीबोड के द्वारा संत शिरोमणी भक्त माता कर्मा की जयंती हर्षोल्लास मनाई गई। प्रातः शोभा यात्रा मे महिलाओ व युवाओ ने बढचढ कर हिस्सा लिए। महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर समाज मे उल्लेखनीय सेवा कार्य करने हेतु सामाजिकजनो व प्रतिभाओ का सम्मान किया गया। समारोह स्थल पर सामूहिक आरती के पश्चात अतिथियों का सत्कार किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू की धर्मपत्नि जयश्री साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष किरण अमर साहू, जिला साहू संघ राजनांदगांव के संरक्षक कमलकिशोर साहू, जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र साहू एवं मदन साहू, पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू, क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र यादव, तहसील साहू संघ डोंगरगांव के संरक्षक हेमंत साहू, तुमडीबोड परिक्षेत्र अध्यक्ष हेमंत साहू, जनपद सदस्य जया तिमेश साहू एवं स्थानीय सरपंच भुनेश्वरी साहू थे। जयश्री साहू ने एक नारी को सामाजिक बदलाव में भूमिका का बखान किया।

जिपंउपाध्यक्ष किरण साहू ने भक्त माता कर्मा के आदर्श को अनुसरण करने का आव्हान किया। कार्यक्रम को जिला साहू संघ के संरक्षक कमलकिशोर साहू, पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू, उपाध्यक्ष मदन साहू एवं मंडल अध्यक्ष हेमंत साहू आदि ने संबोधित किया।

सेवानिवृत्त शिक्षिका को 6 माह बाद भी नहीं मिला GPF, जन दर्शन में लगाई गुहार

कलेक्टर ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

दुर्ग।जनदर्शन कार्यक्रम में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास और भूमि सीमांकन जैसे128 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान जनदर्शन में रिटायर शिक्षिका जीपीएफकी समस्या लेकर पहुंची।इस मामले को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए।

बता दें,सेवानिवृत्त शिक्षिका को उनकी सेवानिवृत्ति के 6 माह बीत जाने के बाद भी अब तक जीपीएफ (GPF) का भुगतान नहीं किया गया है। कलेक्टर ने इस मामले को गंभीरता से लिया।

भिलाई की सुंदर विहार कॉलोनी में सीवरेज की समस्या– भिलाई के वार्ड 22 स्थित सुंदर विहार कॉलोनी (प्रीत पैलेस के पास) के निवासियों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से सड़क पर सीवरेज का गंदा पानी बह रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा केवल अस्थायी रूप से मशीन लगाकर पानी हटाया जाता है, जिससे समस्या जस की तस बनी रहती है। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम भिलाई को मौके का निरीक्षण कर स्थायी समाधान करने के कड़े निर्देश दिए।

नल-जल योजना पर नाराजगी– चंदखुरी ग्राम के वार्ड 6 और 7 के ग्रामीणों ने 'हर घर नल-जल योजना' के तहत पाइपलाइन का काम अधूरा होने पर नाराजगी जताई। कलेक्टर ने पीएचई (PHE) विभाग को इस कार्य में तेजी लाने और जल्द से जल्द जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनसामान्य की समस्याओं का समय सीमा के भीतर निराकरण करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

जय श्री राम के उद्घोष से गूंजा भिलाई : हिंदू नववर्ष पर सेक्टर-9 चौक में हुआ विशाल ध्वजारोहण और हनुमान चालीसा का पाठ

भिलाई। हिंदू नववर्ष (विक्रम संवत) के पावन अवसर पर आज गुरुवार को लौह नगरी भिलाई में भक्ति और उत्साह का सैलाब उमड़ पड़ा। आयोजन समिति के मनीष पांडेय के नेतृत्व में भिलाई सेक्टर-9 चौक पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विशाल ध्वजारोहण के साथ सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

भव्य बाइक रैली से भगवामय हुआ शहर– मुख्य कार्यक्रम से पूर्व मनीष पांडेय के नेतृत्व में एक विशाल बाइक रैली निकाली गई। यह रैली शहर के विभिन्न सेक्टरों की प्रमुख सड़कों से होते हुए गुजरी, जिसमें बड़ी संख्या में युवा हाथों में भगवा ध्वज लेकर शामिल हुए। रैली के दौरान पूरा मार्ग 'जय श्री राम' के नारों से गूंज उठा।

सेक्टर-9 चौक पर सभा का आयोजन– बाइक रैली के समापन पर सेक्टर-9 चौक पर एक विशाल जनसभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए आयोजन समिति के प्रमुख मनीष पांडेय ने हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और भारतीय संस्कृति व एकता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में समरसता और अपनी परंपराओं के प्रति गर्व का भाव जागृत होता है।

हनुमान चालीसा के पाठ से बनी भक्तिमय छटा– ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित जनसमूह ने एक साथ स्वर में हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे, जिन्होंने भक्ति भाव के साथ नववर्ष का स्वागत किया।

शिवनाथ मुक्तिधाम और बोरसी मुक्तिधाम दोनों का होगा जीर्णोद्धार, 1 करोड़ स्वीकृत

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव की पहल से दुर्ग शहर को बड़ी सौगात

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत दुर्ग शहर के विकास को गति देते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। उन्होंने शिवनाथ नदी स्थित मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार के लिए 50 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 52 बोरसी स्थित मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार के लिए भी 50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कराई है। मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि मुक्तिधाम जैसे स्थान केवल अंतिम संस्कार की प्रक्रिया तक सीमित नहीं होते, बल्कि यह हमारे समाज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक भावनाओं से भी जुड़े होते हैं। इन स्थलों का सुव्यवस्थित, स्वच्छ और गरिमामय होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों मुक्तिधामों के जीर्णोद्धार से वहां आने वाले नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और स्थान का वातावरण अधिक व्यवस्थित एवं सम्मानजनक बनेगा। इससे लोगों को अंतिम संस्कार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों के समग्र विकास के तहत आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुक्तिधामों का उन्नयन भी प्राथमिकता में शामिल है, ताकि आम नागरिकों को हर स्तर पर सुविधा उपलब्ध हो सके। नगर निगम द्वारा जल्द ही इन दोनों कार्यों की प्रक्रिया प्रारंभ कर समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाएगा।

अग्निवीर भर्ती हेतु ऑनलाइन निःशुल्क कोचिंग के लिए आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु 13 फरवरी 2026 से 01 अप्रैल 2026 तक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा माह जून में पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा लिया जाना संभावित है। उक्त वेबसाइट पर आवेदन करने वाले दुर्ग जिले के अभ्यर्थियों को जिला रोजगार कार्यालय दुर्ग द्वारा निःशुल्क कोचिंग प्रदान किया जायेगा। जो आवेदक निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग प्राप्त करना चाहते है वे भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु पंजीयन पश्चात् 20 अप्रैल 2026 तक गूगल लिंक के माध्यम से अथवा क्यू आर कोड स्केन कर आवेदन कर सकते है। आवेदक को सेना भर्ती कार्यालय द्वारा जारी पंजीयन क्रमांक एवं व्हाट्सअप मोबाईल नम्बर का उल्लेखित करना अनिवार्य होगा।

सामान्य सभा में गूंजा विकास का संकल्प, बजट पर लगी बहुमत की मुहर

नगर निगम की सामान्य सभा में बजट बहुमत से पारित, विकास को मिली नई रफ्तार

दुर्ग। की बजट सामान्य सभा की बैठक मंगलवार को श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सभापति श्याम शर्मा ने की। इस दौरान महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल, वित्त प्रभारी नरेंद्र बंजारे, देवनारायण चन्द्राकर, मनीष साहू, काशीराम कोसरे, लीना-दिनेश देवांगन, शेखर चंद्रकार, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, निलेश अग्रवाल, लीलाधर पाल, शिव नायक,शशि साहू,हर्षिका संभव जैन, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण तथा निगम के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत निर्धारित समय पर हुई और पूरे दिन विभिन्न विषयों पर गंभीरता से चर्चा की गई।नगर निगम की सामान्य सभा में बजट बहुमत से पारित,विकास को मिली नई रफ्तार।

प्रश्नकाल में गूंजे जनहित के मुद्दे, पार्षदों ने रखे सुझाव– बैठक में प्रातः 11:30 बजे से प्रश्नकाल प्रारंभ हुआ, जिसमें पार्षदों ने शहर की मूलभूत समस्याओं, सफाई व्यवस्था, जल आपूर्ति, सड़क निर्माण एवं अन्य जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों को उठाया। पार्षदों द्वारा दिए गए सुझावों पर निगम प्रशासन ने सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। महापौर ने पेश किया 2026-27 का बजट, बताया 'खुशहाली और समृद्धि का आधार'– महापौर अलका बाघमार ने अपने बजट भाषण में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को शहर के समग्र विकास का रोडमैप बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट जनता की उम्मीदों और शहर की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जो विकास के पहियों को और गति देगा। उन्होंने सदन से इस बजट को पारित करने का आग्रह भी किया।

करोड़ों के विकास कार्यों को मिली स्वीकृति, अधोसंरचना पर विशेष फोकस– बैठक में सिकोला नाला निर्माण के लिए 316.62 लाख रुपए, मिनीमाता चौक से महाराजा चौक तक पाइपलाइन शिफ्टिंग के लिए 439.50 लाख रुपए जैसे बड़े कार्यों पर चर्चा हुई। इसके साथ ही नया बस स्टैंड की दुकानों में किए गए अतिरिक्त निर्माण को नियमित करने तथा कुशाभाऊ ठाकरे भवन के किराया निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए गए।

अटल परिसर निर्माण और मार्ग नामकरण प्रस्ताव पर सहमति– जेल तिराहा स्थित ठगड़ा बांध के किनारे अटल परिसर निर्माण का प्रस्ताव रखा गया, जहां भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की भव्य धातु प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके अलावा महाराजा चौक से पुलगांव चौक मार्ग का नाम पद्मश्री स्व. डॉ. सुरेन्द्र दुबे मार्ग रखने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से सामान्य सभा में प्रस्तुत किया गया।

नियमों के पालन और पारदर्शिता पर दिया गया जोर– बैठक में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों तथा राज्य शासन की गाइडलाइन के अनुसार प्रतिमाओं की स्थापना और अन्य कार्यों को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। सभी प्रस्तावों को नियमानुसार प्रक्रिया में लाते हुए पारदर्शिता बनाए रखने की बात कही गई। सामान्य सभा में गूंजा विकास का संकल्प, बजट पर लगी बहुमत की मुहर,नगर निगम दुर्ग की यह बजट बैठक शहर के विकास कार्यों को नई दिशा देने वाली साबित हुई, जिसमें अधोसंरचना, जनसुविधाओं और योजनाओं को गति देने के लिए ठोस निर्णय लिए गए।

सर्व समाज समरसता समिति दल्ली राजहरा के द्वारा भारतीय नव वर्ष का होगा भव्य आयोजन

बल्लीराजहरा। सर्व समाज समरसता समिति दल्ली राजहरा की अध्यक्ष पुरोबी वर्मा ने बताया कि इस भारतीय नव वर्ष विक्रम सम्वत. 2083 को धूमधाम से मनाने के लिए सेर्व समाज समरसता समिति की ओर से दल्ली राजहरा में दो दिवसीय 19 एवं 20 मार्च को विविध कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। नव वर्ष आयोजन के संबंध में सं उच्चतर माध्यमिक शाला सरस्वती शिशु मंदिर में सर्व समाज समरसता समिति के पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों के बीच भारतीय नववर्ष को मिलजुल कर भव्य रुप से मनाये जाने के लिये सहमति बनी है। कृष्णा साहू ने बताया कि भारतीय नववर्ष का आयोजन 19 एवं 20 मार्च तक दो दिवसीय होगा। प्रथम दिवस को चिखलाकसा और दल्ली राजहरा नगर के लगभग 100 स्थानों पर संध्या ठीक 7 बजे भारत माता की सामूहिक आरती तथा लगभग सवा लाख दीपों के साथ दीपोत्सव का आयोजन किया गया है। जहाँ सभी नगरवासी नगर और परिवार की सुख शांति और सौहार्द के लिए अपने घर से 5 दीपक के साथ आरती मे सम्मिलित होने बाद मिलकर दीपोत्सव मनाएंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com